हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 37 ● भिलाई, मंगलवार 25 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से छेड़छाड़ और पीछा करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

लखनऊ। महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पीजीआई थाना पुलिस ने नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ और उसका पीछा करने के आरोप में 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे नियमानुसार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त 2026 को पीजीआई थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि विशाल नामक युवक उनकी नाबालिग पुत्री का पीछा करता है और उसके साथ छेड़छाड़ करता है। तहरीर के आधार पर थाना पीजीआई में मुकदमा संख्या 430/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 75/79 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 7/8 में मुकदमा दर्ज किया गया।मामला दर्ज होने के बाद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई।

पति और सास ने महिला को पिलाया टॉयलेट क्लीनर, इलाज के दौरान हुई मौत

जालंधर। पंजाब के जालंधर जिले के कस्बा करतारपुर में एक महिला की टॉयलेट क्लीनर पिलाकर हत्या कर दी गई है। गंभीर हालत में उसे फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने आरोपी पति और सास के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश तेज कर दी है। जानकारी के मुताबिक मामला जालंधर के करतारपुर थाना क्षेत्र का है। मृतका की पहचान नेहा के रूप में हुई है, जो उमंग बस्सी की पत्नी थी। आरोप है कि पति और सास ने महिला को टॉयलेट क्लीनर पिलाकर उसकी जान लेने की कोशिश की थी। इसके बाद गंभीर हालत में नेहा को जालंधर के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई थी और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था। इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। महिला के परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने उसके पति और सास के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

लगातार बारिश से उफान पर इंद्रावती नदी

खतरे के निशान के ऊपर पहुंचा जलस्तर...गांवों का टूटा संपर्क...

जगदलपुर। संवाददाता

बस्तर और ओडिशा में लगातार हो रही झमाझम बारिश का असर अब इंद्रावती नदी पर दिखाई दे रहा है। इंद्रावती नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जल स्तर 8.40 पहुंच गया है। जगदलपुर के पुराने पुलिया के ऊपर से भी पानी बहने लगा है। नदी-नाले उफान पर होने के चलते दर्जनों गांवों का संपर्क भी टूट चुका है। इंद्रावती नदी के साथ उसके सहायक नाले भी पूरी तरह उफान पर है, जिससे आसपास के इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। स्थिति को देखते हुए स्थ्रक्रन को अलर्ट मोड पर रखा गया है। वहीं जगदलपुर तहसीलदार के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया जा रहा है। बेलगांव नगरनार को जोड़ने वाले मार्ग के ऊपर से बाढ़ का पानी बह रहा है। लोग जान जोखिम में डालकर सड़क पार करते नजर आ रहे हैं। वहीं चित्रकोट भी अपने सवाब पर नजर आ रहा है। लगातार बारिश से चित्रकोट की खूबसूरती में चार चांद लग गई है। छत्तीसगढ़ में अगले 24 घंटे कुछ जगह भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट है। गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 7 दिनों तक प्रदेश में कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है। रायपुर में रविवार दोपहर से 2 घंटे तक लगातार तेज बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी। गायत्री नगर

में जगन्नाथ मंदिर के पास नाले में फंसे एक लड़के को रस्सी के सहारे खींचकर बचाया गया। मौसम विभाग के मुताबिक छत्तीसगढ़ में अगले 7 दिनों तक अलग-अलग स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश के दौर जारी रह सकते हैं। यानी बारिश की गतिविधियों में फिलहाल बड़ी राहत मिलने की संभावना नहीं है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में स्थानीय मौसम के अनुसार बारिश की तीव्रता अलग-अलग रह सकती है। वहीं जगदलपुर तहसीलदार के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया जा रहा है, बेलगांव नगरनार को जोड़ने वाला मार्ग के ऊपर से बाढ़ का पानी बह रहा है। चित्रकोट में भी अपने शबाब पर नजर आ रहा है, इसकी खूबसूरती में चार चांद लग गई है। भारी बारिश से पूरी तरह नदी और नालों में उफान के चलते दर्जनों गांवों का संपर्क भी टूट चुका है, जिससे ग्रामीण इलाकों में आवाजाही प्रभावित हुई है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक बस्तर में आने वाले 48 घंटे तक इसी तरह मूसलाधार बारिश होने की संभावना जताई है ,वही बारिश को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है, और लगातार निचली बस्तियों में मुनादी कराई जा रही है।

भारी बारिश से सड़कों पर सैलाब सा नजारा गुरुग्राम में कल वर्क फ्रॉम होम की सलाह

गुरुग्राम में सोमवार को भारी बारिश से हालात बिगड़ गए। गुरुग्राम के कई इलाकों में भीषण जलभराव हो गया। भारी बारिश से कई जगहों पर सड़कों पर सैलाब जैसा नजारा दिखा। शहर में जगह-जगह जलभराव को देखते हुए गुरुग्राम प्रशासन ने मंगलवार को कर्मचारियों के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' की सलाह जारी की है ताकि सिविक एजेंसियों को सड़कों और नालियों को ठीक करने और जल निकासी का काम करने में आसानी हो सके। गुरुग्राम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने मंगलवार यानी 25 अगस्त के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' (घर से काम करने) की सलाह जारी करते हुए कहा- गुरुग्राम में भारी बारिश से कई जगहों पर जल-जमाव और ट्रैफिक जाम की संभावना है।

महिलाओं के लिए डीलक्स बस भी फ्री

साल में 3 एलपीजी सिलेंडर मुफ्त देंगे थलपति विजय.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

घरेलू रसोई के बजट को राहत देने के मकसद से लाई जा रही इस स्कीम से तमिलनाडु के लगभग 1.3 करोड़ परिवारों को सीधा लाभ पहुंचेगा। सीएम विजय ने विधानसभा में इसकी घोषणा की है। तमिलनाडु में थलपति विजय ने महिलाओं के लिए बड़ा खजाना खोल दिया है। राज्य की महिलाओं को अब जल्द ही साल में 3 एलपीजी सिलेंडर मुफ्त में मिलेंगे। मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में इसकी घोषणा है। तमिलगा वेत्री कड़गम

प्रमुख ने महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा को और बढ़ाने की भी घोषणा की है। इससे पहले सीएम विजय ने विधानसभा में सोमवार को कई नई कल्याणकारी योजनाओं का ऐलान किया। विजय ने ऐलान किया है कि 'अन्नापूरणई सुपर सिक्स' के तहत सालाना 2.5 लाख रुपये से कम आय वाले परिवारों को हर साल तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे। यह योजना अगले साल जनवरी में पोंगल के मौके पर शुरू हो जाएगी। योजना के तहत सरकार सिलेंडर खरीदने पर खर्च की गई राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में ट्रांसफर करेगी। इस योजना से करीब 1.30 करोड़ परिवारों को फायदा मिलने का अनुमान है। जानकारी के मुताबिक विजय सरकार इस योजना पर हर साल करीब 4,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

गुरुवायूर मंदिर में एक दिन में रिकॉर्ड 437 शादियां

त्रिशूर। केरल के प्रसिद्ध गुरुवायूर देवस्वोम मंदिर में रविवार को एक दिन में रिकॉर्ड 437 विवाह संपन्न हुए। मंदिर परिसर में बने छह विवाह मंडपों में सुबह से ही विवाह समारोह शुरू हो गए। इतनी बड़ी संख्या में एक ही दिन विवाह होने से 23 अगस्त गुरुवायूर के इतिहास में विशेष और यादगार अवसर बन गया। इस भव्य विवाह आयोजन की शुरुआत देवस्वोम के अध्यक्ष ए.वी. गोपीनाथ ने मंदिर के पूर्वी हिस्से में स्थित पहले मंडप में 'भद्रदीप' प्रज्वलित कर की। इसके बाद विवाह की रस्में शुरू हुईं और अन्य पांच मंडपों में भी एक साथ विवाह समारोह होने लगे। दिन के पहले विवाह समारोह में कन्नूर जिले के थलास्सेरी निवासी अर्णव मोहन कुमार ने पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार वधू विद्या आनंद राज के गले में थाली (मंगलसूत्र) पहनाई।

सरकार से आर-पार के मूड में सीजेपी

5 सितंबर को दिल्ली में बड़े प्रदर्शन का किया ऐलान...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी ने केंद्र सरकार पर 25 जुलाई को किए गए कथित वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए एक बार फिर आंदोलन का ऐलान किया है। पार्टी ने सोमवार, 24 अगस्त को घोषणा की कि वह 5 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध मार्च निकालेगी। सीजेपी के मुताबिक, 25 जुलाई को सरकार की ओर से किए गए आश्वासनों के बाद देशभर में चल रहे युवाओं के विरोध प्रदर्शनों को वापस लिया

गया था। अब संगठन का आरोप है कि सरकार ने उन प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं किया है, जिसके चलते उसे दोबारा आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। सीजेपी की राष्ट्रीय कार्यसमिति की सोमवार दोपहर 2 बजे बैठक हुई। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा युवाओं से किए गए वादों की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके बाद संगठन ने 5 सितंबर को दिल्ली में विरोध मार्च निकालने की घोषणा की। पार्टी के अनुसार, मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। इसमें मृत नीट पीड़ितों के परिवार और 20 जुलाई को हुए 'संसद चलो' मार्च के दौरान कथित पुलिस बर्बरता के पीड़ित नेतृत्व की भूमिका में होंगे। सीजेपी ने कहा कि इस प्रदर्शन में देशभर से छात्र और युवा नागरिक भी शामिल होंगे।

कमरे में नहीं मिला सुसाइड नोट

हमर क्लिनिक की स्टाफ नर्स ने की आत्महत्या.....

दुर्ग. भिलाई के घासीदास नगर वार्ड-23 स्थित हमर क्लीनिक में नर्स ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. अस्पताल परिसर के स्टाफ रूम में शव मिला है. मृतिका की पहचान 32 वर्षीय नेहा महिलांग के रूप में हुई है. वह हमर क्लीनिक में पिछले 5 साल से कार्यरत थी. एक साल पहले ही उसकी शादी हुई थी.घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं किया गया है. जानकारी के मुताबिक, नेहा अपने पति के साथ रहती थी. रविवार को जब उसका पति कमरे में आया तो उसने नेहा को फांसी के फंदे पर लटका हुआ देखा. घटना से हड़कंप मच गया. उसने अस्पताल प्रबंधन और पुलिस

को तत्काल सूचना दी. सूचना पर पुलिस और एफएसएल की टीम पहुंची और जांच शुरू की. शव को फांसी के फंदे से उतार कर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. कमरे से कोई भी सुसाइड नोट पुलिस को नहीं मिला है. फिलहाल नेहा के पति और साथी कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है.

पत्नी की धारदार हथियार से हत्या के बाद पति पहुंचा थाना

जलपाईगुड़ी। जिले के धूपगुड़ी इलाके में रविवार तड़के एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। किसी घरेलू बात को लेकर हुए मामूली विवाद के बाद एक पति ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हमला कर बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति ने कथित तौर पर जहरीला कीटनाशक खा लिया और हाथ में खून से सना धारदार हथियार लहराते हुए सीधे धूपगुड़ी थाने पहुंच गया। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे तुरंत हिरासत में ले लिया और अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घटना आज सुबह करीब 6 बजे की है।

सावन का आखिरी सोमवार

बोल बम के नारों के साथ निकली कांवड़ यात्रा,शिवालयों में लगा भक्तों का तांता...

रायपुर। पवित्र सावन माह के अंतिम सोमवार पर छत्तीसगढ़ में शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. राजधानी रायपुर के हटकेश्वर नाथ मंदिर से लेकर धर्मनगरी राजिम के कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर और बलौदाबाजार के शिवालयों तक सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं. हाथों में गंगाजल, दूध, दही और बेलपत्र लेकर श्रद्धालु भगवान शिव के जलाभिषेक करने पहुंच रहे हैं. धर्मनगरी राजिम में त्रिवेणी संगम तट स्थित प्राचीन कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर में सावन के अंतिम सोमवार पर

हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे. तड़के सुबह से ही मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लग गईं. दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की. पूरे मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा और राजिम शिवमय नजर आया. मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने 14 वर्ष के वनवास के दौरान माता सीता के साथ यहां शिवलिंग की स्थापना कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की थी. त्रिवेणी संगम के कारण राजिम को 'प्रयाग नगरी' के नाम से भी जाना जाता है. यही वजह है कि सावन के दौरान कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र बना रहता है. बलौदाबाजार में भी सावन के अंतिम सोमवार पर शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली. आज एकादशी के साथ सोमवार और दोपहर बाद प्रदोष काल का संयोग होने के कारण श्रद्धालुओं के बीच इस दिन का विशेष महत्व रहा.

डीआरजी और बस्तर फाइटर्स की बड़ी कार्रवाई

सुकमा में नक्सलियों के बड़े डम्प का भंडाफोड़....23 हथियार और 492जिंदा कारतूस समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

सुकमा। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुकमा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना भेज्जी क्षेत्र के ग्राम भण्डारपदर एवं मुनुरकोंडा के जंगल-पहाड़ी इलाके में चलाए गए सर्चिंग अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सलियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखे गए एक बड़े डम्प का पता लगाया। डम्प से बड़ी संख्या में हथियार, जिंदा कारतूस, बीजीएल सेल, जिलेटिन स्टिक, गन पाउडर सहित अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई आत्मसमर्पित नक्सलियों से प्राप्त महत्वपूर्ण इंटेलिजेंस के आधार पर की गई। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नक्सल ऑप्स) रोहित शाह के मार्गदर्शन में जिला बल, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम ने 24 अगस्त को क्षेत्र में एरिया डोमिनेशन और सर्चिंग अभियान चलाया। सर्चिंग के दौरान मिले डम्प से कुल 23 हथियार बरामद किए गए। इनमें 01 एसएलआर रायफल, 01 .315 बोर रायफल, 01 .410 मस्केट, 06 बीजीएल लॉन्चर, 01 सिंगल शॉट रायफल, 01 .315 बोर देशी कट्टा,

05 नग 12 बोर रायफल और 07 भरमार बंदूक शामिल हैं। इसके अलावा एसएलआर एवं .303 की मैगजीन तथा बड़ी संख्या में बीजीएल से संबंधित सामग्री भी बरामद हुई है। सुरक्षा बलों को डम्प से अलग-अलग हथियारों के कुल 492 जिंदा राउंड मिले हैं। इनमें एके-47 के 45, एसएलआर के 196, इंसास के 89, .303 रायफल के 97, .315 रायफल के 20 और 12 बोर के 45 जिंदा राउंड शामिल हैं। इसके साथ ही 66 बीजीएल कारतूस, 31 एके-47 के खाली खोखे, .303 के दो और 12 बोर के 10 खाली खोखे भी बरामद किए गए। डम्प से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी बरामद हुई है। सुरक्षा बलों ने 240 जिलेटिन स्टिक, करीब 18 किलो गन पाउडर, 40 टाइगर बम पटाखे, 06 एक्सीलेटर प्लग और 05 देशी हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं। इसके अलावा 08 बड़े, 23 मध्यम और 58 छोटे बीजीएल सेल, 08 बीजीएल मुंडी सहित बड़ी मात्रा में बीजीएल संबंधी सामग्री भी बरामद हुई है। डम्प से हथियार और विस्फोटकों के अलावा 07 जोड़ी काली वर्दी, 10 कमर पाउच, 32 काले और 22 हरे कमर बेल्ट, 11 व्हिसिल गार्ड, 07 मंकी कैप, 07 पिट्ठू बैग, 05 नीले ड्रम, 02 सोलर प्लेट, दवाइयां एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री भी बरामद की गई है। सुकमा पुलिस के अनुसार, 31 मार्च 2026 के बाद पहली बार जिले में इतनी बड़ी मात्रा में एक साथ हथियार, जिंदा कारतूस और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है।

इलाके में दहशत का माहौल

शेरनी के हमले में युवक की मौत....

तखतपुर। बिलासपुर जिले के तखतपुर क्षेत्र से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक युवक पर शेरनी ने हमला कर दिया। हमले में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। यह पूरा मामला जुनापारा चौकी क्षेत्र के ग्राम बांधा का है। जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत बांधा का रहने वाला धरम दास घृतलहरे (25) जोगीपुर जंगल के फॉरेस्ट बीट आरए-98 क्षेत्र में बास से निकलने वाला करिल काटने और पीहरी लेने गया था। इसी

दौरान जंगल में अचानक शेरनी ने उस पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि शेरनी ने युवक की गर्दन पर हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद शेरनी ने उसके शरीर को भी नुकसान पहुंचाया।

CMYK

सेवा के सफर को मिला नया संबल, प्रेरणा मेन क्लब को मिला वरिष्ठों का मार्गदर्शन

नए सेवा कार्यों के लिए दिए सुझाव पत्रकारों का भी किया सम्मान

बेमेतरा। सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकारों को अपना उद्देश्य बनाकर कार्य कर रहे ऑल इंडिया लीनेस क्लब बेमेतरा प्रेरणा मेन क्लब की आधिकारिक यात्रा गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम में डी प्रेजिडेंट ली रश्मि अग्रवाल मुख्य रूप से मंचासीन रहीं। उनके साथ ली रीजन ऑफिसर रश्मि लाखोटिया एवं ली विभा भूटानी, कैबिनेट सेक्रेटरी प्रशासनिक मंचासीन रहीं। आधिकारिक यात्रा के दौरान क्लब द्वारा जनवरी से अगस्त तक किए गए विभिन्न सेवा एवं सामाजिक कार्यों का अवलोकन किया गया। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने क्लब की गतिविधियों की सराहना करते हुए भविष्य में समाजहित में कुछ नया एवं रचनात्मक करने के लिए मार्गदर्शन दिया। उनके सुझावों से क्लब सदस्यों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। क्लब के वार्षिक गतिविधि कैलेंडर के तहत जुलाई-अगस्त में जागरूकता सेमिनार, सम्मान समारोह, छाता-रेनकोट वितरण, बच्चों के लिए विज्ञान कार्यशाला, पौधारोपण, साहित्यिक कार्यक्रम, युवा जागरूकता, नशामुक्ति अभियान, स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम, फोटोग्राफी एवं खेल प्रतियोगिताएं तथा रक्षाबंधन अभियान सहित विभिन्न सामाजिक एवं सेवा गतिविधियां आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा दिया गया।

गरीब बेटियों से बच्चों की पढ़ाई तक सेवा

प्रेरणा मेन क्लब द्वारा जरूरतमंदों की सहायता के लिए लगातार सेवा कार्य किए जा रहे हैं। संस्था की ओर से गरीब कन्याओं के विवाह में सहयोग, जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई में सहायता, वृद्धाश्रम में फल-मिठाई वितरण कर बुजुर्गों के साथ त्योहार मनाना जैसे कार्य किए जाते हैं।इसके अलावा यातायात संबंधी जागरूकता एवं विधिक सेवा की जानकारी देने तथा स्कूलों में विद्यार्थियों को पढ़ाई से संबंधित सामग्री का वितरण भी किया जाता है। संस्था का प्रयास है कि सेवा का लाभ समाज के अंतिम जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचे।

परिचय का मोहताज नहीं, वही उपलब्धि

कार्यक्रम में ली डी प्रेजिडेंट रश्मि अग्रवाल ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन से सदस्यों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा, जब व्यक्ति अपना परिचय स्वयं दे तो वह संघर्षशील होता है, जब कोई दूसरा परिचय देता है तो वह ऊर्तिशील होता है और जो परिचय के मोहताज नहीं, यह उसकी उपलब्धि होती है। ली रीजन ऑफिसर रश्मि लाखोटिया एवं ली विभा भूटानी, कैबिनेट सेक्रेटरी प्रशासनिक ने भी क्लब की गतिविधियों की सराहना करते हुए सेवा कार्यों को और व्यापक एवं प्रभावी बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया।

अध्यक्ष, सचिव और बीओडी ने रखे विचार

क्लब की अध्यक्ष वर्षा गौतम ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी साझा करते हुए पदाधिकारियों के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्लब भविष्य में भी समाजहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाएगा। सचिव कनकलता मिश्रा ने क्लब की गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पदाधिकारियों का मार्गदर्शन संस्था को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करता है। कार्यक्रम में बीओडी शशि तिवारी एवं बीओडी ललिता साहू का भी उद्बोधन हुआ। उन्होंने सेवा कार्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सदस्यों को एकजुट होकर समाजहित में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का शानदार एवं प्रभावी संचालन कोषाध्यक्ष रानी खानी ने किया। उन्होंने पूरे कार्यक्रम को सहज, व्यवस्थित एवं गरिमामय तरीके से आगे बढ़ाया। उनके कुशल संचालन की उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सराहना की।

पत्रकारों का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान प्रिंट मीडिया के पत्रकार दिनेश दुबे एवं शरद बाजपाई तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की योगिता साहू का सम्मान किया गया। क्लब की ओर से पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों को समाज तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया।

ये सदस्य रहे मौजूद

कार्यक्रम में बीओडी शलमा शरीफ, मुमताज रवानी, नीलम साहू, पिंकी नेमा, आरती साहू, विनीता मिश्रा, डॉ. नेहा वर्मा, पार्वती दुबे, अन्नू पांडे, ज्योति साहू, कविता आड़े एवं नसीम बानो सहित क्लब के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सेवा का कारवां आगे बढ़ाने का संकल्प

अंत में ऑल इंडिया लीनेस क्लब बेमेतरा प्रेरणा मेन क्लब की ओर से डी प्रेजिडेंट रश्मि अग्रवाल, रीजन ऑफिसर रश्मि लाखोटिया एवं विभा भूटानी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। क्लब परिवार ने कहा कि पदाधिकारियों का मार्गदर्शन संस्था के लिए प्रेरणास्रोत है। इसी मार्गदर्शन के साथ सेवा कार्यों को और व्यापक बनाते हुए जरूरतमंद बच्चों, गरीब परिवारों, कन्याओं, बुजुर्गों और विद्यार्थियों तक पहुंचने का प्रयास जारी रहेगा। सेवा ही पहचान और समाजहित ही संकल्प के साथ प्रेरणा मेन क्लब ने भविष्य में भी नए एवं रचनात्मक कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प दोहराया।

नवागांव में सदगुरू उदितमुनिनाम साहेब का प्रथम शुभागमन, निकलेगी भव्य शोभायात्रा

कवर्धा। सदगुरु कबीर धर्मदास वंशावली मिशन के प्रवर्तक संतों के स्नेह एवं आशीर्वाद से पंथ हुजूर उदितमुनिनाम साहेब का ग्राम नवागांव, तहसील सहसपुर लोहारा में प्रथम शुभागमन होने जा रहा है। साहेब के आगमन को लेकर अनुयायियों और धर्मप्रेमी नागरिकों में उत्साह का वातावरण है। नवागांव सहित आसपास के क्षेत्रों में स्वागत की तैयारियां पूरी की जा रही हैं। साहेब के प्रथम आगमन के अवसर पर नवागांव में भव्य स्वागत एवं शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। शोभायात्रा में सत्यानाम धुन मंडली द्वारा भक्ति और सत्यानाम की धुन प्रस्तुत की जाएगी। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और अनुयायियों के शामिल होने की संभावना है।

आयोजन से जुड़े सेवाभावी कार्यकर्ता स्वागत एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रूप देने में जुटे हुए हैं। श्रद्धालु साहेब के दर्शन, सत्संग और आशीर्वचन प्राप्त करने के लिए उत्साहित हैं। इस अवसर का मुख्य भाव आध्यात्मिक

चेतना के साथ मानवता, प्रेम, भाईचारे और सदभाव का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। आयोजन से जुड़े लोगों का कहना है कि संत परंपरा का उद्देश्य समाज में सत्य, सदाचार, सेवा, आपसी सम्मान और मानवीय मूल्यों को मजबूत करना है। मानव मानव सब एक हैं, यही सच्चा ज्ञान, मानवता का संचार करे एसकेडीवी मिशन अभियान के संदेश के साथ आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता और मानव कल्याण की भावना को केंद्र में रखेगा। साहेब के प्रथम शुभागमन की जानकारी के बाद नवागांव और आसपास के गांवों के अनुयायियों में विशेष उत्साह है।

जेवरी शक्ति केंद्र में भाजपा ने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर दिया जोर

बेमेतरा। ग्रामीण मंडल प्रभारी, भाजपा प्रवक्ता एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने ग्राम जेवरी स्थित शक्ति केंद्र में पहुंचकर संगठनात्मक बैठक में भाग लिया। इस दौरान आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर कार्यकर्ताओं से विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा महिला प्रमुखों की सक्रिय भूमिका पर विशेष फोकस किया गया। विजय सिन्हा ने बूथ कमेटियों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि भाजपा की संगठनात्मक शक्ति का आधार बूथ स्तर का कार्यकर्ता है। प्रत्येक बूथ को मजबूत करने के साथ ही केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महिला कार्यकर्ताओं की भागीदारी संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करती है। इसलिए बूथ स्तर पर महिला प्रमुखों की सक्रियता बढ़ाने तथा उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। बैठक के दौरान बूथ कमेटियों की गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों एवं संगठन के विस्तार को लेकर कार्यकर्ताओं से सुझाव भी लिए गए। इस अवसर पर भाजपा के ग्रामीण मंडल महामंत्री डेरहा देवागन जीतेन्द्र साहू चंन्नू साहू प्रबल सिंह ठाकुर सहित पदाधिकारी, शक्ति केंद्र के कार्यकर्ता, बूथ अध्यक्ष, महिला प्रमुख एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बारिश में भी नहीं टूटा हौसला, 1967 रिक्त पदों पर नियुक्ति की आस में तीन दिन से डटे युवा

कवर्धा। छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती 2023-24 में रिक्त पदों को लेकर अभ्यर्थियों का आक्रोश अब सड़कों पर उतर आया है। विज्ञापित 5967 पदों में करीब 4000 पद भरे जाने के बाद भी 1967 पद रिक्त होने का दावा किया जा रहा है। इन्हीं रिक्त पदों पर प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की मांग को लेकर प्रदेशभर से आए युवक-युवतियां पिछले तीन दिनों से कबीरधाम में धरने पर बैठे हैं। बरसते पानी के बीच अभ्यर्थी धरना स्थल पर ही रात गुजार रहे हैं, लेकिन अब तक कोई सक्षम और जिम्मेदार अधिकारी उनसे मिलने नहीं पहुंचा है। सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत प्राप्त जानकारी में पुलिस आरक्षक भर्ती 2023-24 से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़े सामने आए हैं। दस्तावेज में कुल 5967

4367 अभ्यर्थियों द्वारा आमद दिए जाने की जानकारी दी गई है। शेष प्रक्रिया जिला स्तर पर होने की बात भी आरटीआई के जवाब में कही गई है। वहीं अभ्यर्थियों का कहना है कि वर्तमान स्थिति में करीब 4000 पद ही भरे गए हैं और 1967 पद अब भी रिक्त हैं।जिसे भर कर रिक्त पदों पर प्रतीक्षा सूची जारी किया जाए। अभ्यर्थियों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया का प्रथम चरण फिजिकल एवं द्वितीय चरण लिखित परीक्षा के रूप में पूरा हो चुका है। प्रथम चरण में अभ्यर्थियों को संबंधित जिले या इकाई से फिजिकल टेस्ट के लिए बुलाया गया था। मेरिट सूची में स्थान नहीं मिलने के कारण कई अभ्यर्थी प्रतीक्षा सूची में चले गए। अब उनका कहना है कि रिक्त पदों पर प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को अवसर दिया जाना चाहिए। अभ्यर्थियों ने बताया कि इस मांग को लेकर कई बार अलग-अलग स्तरों पर चर्चा और प्रयास किए गए, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। उनका कहना है कि कोर्ट के आदेश एवं भर्ती प्रक्रिया से जुड़े प्रावधानों के आधार पर वेटिंग सूची को उठाकर रिक्त पदों को भरा जा सकता है। इसी उम्मीद में प्रदेश के कोने-कोने से अभ्यर्थी कबीरधाम पहुंचे हैं। सबसे मार्मिक स्थिति यह है कि युवक-युवतियां लगातार बारिश के बीच खुले में धरना दे रहे हैं। दिनभर अपनी मांग को लेकर आवाज उठाने के बाद रात भी धरना स्थल पर ही गुजार रहे हैं। इसके बावजूद अब तक किसी सक्षम जिम्मेदार व्यक्ति का उनके बीच नहीं पहुंचना प्रशासनिक संवेदनशीलता पर सवाल खड़े करता है। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे नौकरी की भीख नहीं मांग रहे, बल्कि भर्ती प्रक्रिया में रिक्त रह गए पदों पर नियमानुसार अवसर की मांग कर रहे हैं। कबीरधाम प्रदेश की राजनीति का प्रभावशाली केंद्र है। यहां पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री तथा पुलिस विभाग के मंत्री विजय शर्मा, उत्कृष्ट विधायक भावना बोहरा, दो कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त जनप्रतिनिधि, दो सांसद सहित कई प्रभावशाली जनप्रतिनिधि मौजूद हैं। इसके बावजूद उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के कार्यालय के सामने प्रदेशभर के युवा तीन दिनों से बारिश में धरना दे रहे हैं और उनकी सुध लेने कोई जिम्मेदार व्यक्ति नहीं पहुंचा है। अभ्यर्थियों ने स्पष्ट कर दिया है कि मांग पूरी होने तक धरना जारी रहेगा। उनका कहना है कि अब वे पीछे हटने की स्थिति में नहीं हैं।

यह आंदोलन उनके लिए 'करो या मरो' की स्थिति बन चुका है। अब निगाहें सरकार और पुलिस विभाग के निर्णय पर टिकी हैं कि 1967 रिक्त पदों को लेकर प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों के भविष्य पर क्या फैसला लिया जाता है।

नवाचारों के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने पर जोर, तकनीकी तौर से अपग्रेड रहने की दरकार : प्रदेशाध्यक्ष

डोंगरगांव नगर। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ को आधुनिक, संगठित, संस्कारित एवं आत्मनिर्भर समाज के तौर पर आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आईटी सेल प्रकोष्ठ एवं किसान प्रकोष्ठ की संयुक्त प्रथम बैठक का आयोजन भामाशाह छात्रावास, साहू कॉम्प्लेक्स, टिकरापारा, रायपुर स्थित प्रदेश साहू संघ कार्यालय में किया गया। बैठक में समाज को तकनीक, नवाचार, शिक्षा, आधुनिक कृषि एवं डिजिटल माध्यमों से जोड़ने तथा सामाजिक गतिविधियों को अधिक प्रभावी और जनसुलभ बनाने को लेकर व्यापक एवं सार्थक चर्चा हुई।

बैठक में आईटी सेल प्रकोष्ठ द्वारा सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से समाज की गतिविधियों, उपलब्धियों, सामाजिक संदेशों एवं जनकल्याणकारी कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाने पर विचार-विमर्श किया गया। वही डिजिटल तकनीक के नए आयामों और नवाचारों को अपनाकर समाज को तकनीकी तौर से सक्षम बनाने की दिशा में कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया गया। वहीं किसान प्रकोष्ठ द्वारा आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीकों, कृषि में नवाचार, बेहतर उत्पादन, लागत में कमी तथा किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की गई। किसानों को नई तकनीकों एवं कृषि पद्धतियों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नवीन दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पदाधिकारियों से सामाजिक कार्यों में सक्रियता, समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा करते हुए परिवार संस्कार कार्यशाला की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज को मजबूत बनाने के लिए परिवार, संस्कार, शिक्षा और संगठन को साथ लेकर चलना आवश्यक है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से समाज को अधिक सशक्त, संस्कारित, संगठित एवं प्रभावी बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की अपील की। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि आज के बदलते दौर में समाज की प्रगति केवल परंपराओं को सहेजने तक सीमित नहीं रह सकती। समय की आवश्यकता के अनुरूप तकनीक, शिक्षा, रोजगार, कृषि एवं नवाचार को अपनाना भी उतना ही आवश्यक है। आई.टी. सेल एवं किसान प्रकोष्ठ जैसे विषय-आधारित प्रकोष्ठ समाज की प्रतिभाओं, संसाधनों एवं क्षमताओं को उचित दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बैठक के समापन अवसर पर आईटी सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक द्वारिका साहू ने कहा कि दोनों प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने, समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं, सामाजिक गतिविधियों एवं सकारात्मक संदेशों को पहुंचाने तथा समाज को संगठित, संस्कारित, तकनीकी रूप से सक्षम, शिक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि आई.टी. सेल और किसान प्रकोष्ठ आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समाज के युवाओं, किसानों एवं प्रतिभाओं को नई दिशा देने का प्रयास करेंगे। तकनीक और कृषि के समन्वय से समाज की नई पीढ़ी को अवसरों से जोड़ना और किसानों को आधुनिक साधनों से सशक्त बनाना आने वाले समय की प्रमुख प्राथमिकता होगी। आभार प्रदर्शन आईटी सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी महामंत्री मनीष कुमार साहू ने किया। कार्यक्रम का संचालन किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री बल्ला साहू ने किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष साधना साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. तिलक साहू, प्रदेश महामंत्री चित्रलेखा साहू, प्रदेश संयुक्त सचिव प्रदीप साहू, आईटी सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक द्वारिका साहू, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक चोवाराम साहू, सुखुराम साहू, सेवन साहू, मनोज कुमार साहू, संभागीय संयोजक (आईटी सेल प्रकोष्ठ) भरत साहू, राम साहू, प्रदेश मीडिया प्रभारी (आईटी सेल प्रकोष्ठ) घनेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एएसपी डॉ. हरीश यादव ने यातायात शाखा एवं महिला सेल का किया वार्षिक निरीक्षण

बेमेतरा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव ने यातायात शाखा एवं महिला सेल बेमेतरा का वार्षिक निरीक्षण किया। एएसपी द्वारा निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाए जाने के साथ कानून व सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखते हुए बेहतर पुलिसिंग के बारे में निर्देश दिया गया। एएसपी बेमेतरा डॉ. हरीश यादव ने यातायात शाखा से संबंधित उपलब्ध संसाधनों का विशेष ध्यान रखने, समन शुल्क रसीद, मोटर वारंट पंजी, कैश बुक, ब्रिथएनालाईजर, कैमरा, विडियो कैमरा, स्पीड रडार गन, साउंड लेबल मीटर, लक्स मीटर, बाडी वार्म कैमरा, लाउण्ड हेलर, एवं अन्य यातायात शाखा के उपलब्ध संसाधनों का निरीक्षण किया गया। इसके अलावा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए इंटरसेप्टर वाहन का प्रभावी उपयोग करने, शराब सेवन कर वाहन चलाने वालो एवं तय गति सीमा से अधिक स्पीड में वाहन चलाने वालो के विरूद्ध कार्यवाही करने एवं बेनर/पोस्टर, प्रोजेक्टर एवं जागरूकता रथ के माध्यम से स्कूल, कॉलेजों, हॉट/बाजारों में यातायात नियमों के संबंध में जागरूकता अभियान चलाने एवं दोपहिया वाहन चलाते हेलमेट पहनने के लिए प्रोत्साहित करने एवं वाहन चेकिंग के दौरान आमजन से संयमित व्यवहार करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

भाजपा राजहरा मंडल और खदान मजदूर संघ ने विभिन्न मुद्दों को लेकर थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

सुरक्षा मानकों का उल्लंघन : टेंडर की शर्त के अनुसार पाइप को हाइड्रा मशीन से डालना था, लेकिन ठेकेदार ने बीएसपी अधिकारियों की मिलीभगत से चेन माउंटेड मशीन से पाइप डाला। टेंडर की निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद भी कार्य कराया जा रहा था। क्योंकि बीएसपी के अधिकारियों की सांठगांठ से सारा खेल हुआ है। इसी लापरवाही के कारण मिट्टी धंस गई, चेन टूट गई और पाइप के नीचे दबने से 3 आदिवासी श्रमिकों की दर्दनाक मृत्यु हो गई। बीएसपी अधिकारीयों की मिलीभगत से ठेकेदार द्वारा जिस मशीन से खुदाई और पाईप बिछानें का कार्य किया जा रहा था उस मशीन का बीमा तक नहीं था मगर राजहरा टाउनशिप के जिम्मेदार उपमहाप्रबंधक मंगेश सेलकर के अनुमति से उस मशीन को चलाया जा रहा था जो उपमहाप्रबंधक मंगेश सेलकर की कार्यशैली को दर्शाता है और साथ ही उनके द्वारा सुरक्षा के मापदंडों का खुलेआम उल्लंघन करना दिखाता है।घटना के बाद बीएसपी प्रबंधन द्वारा केवल दिखावे के लिए नगर प्रशासन विभाग के उपमहाप्रबंधक मंगेश सेलकर और रमेश हेडऊ को 07 दिन के लिए निलंबित किया गया और फिर मृतक श्रमिकों के जिम्मेदार अधिकारियों को पुनः उसी पद पर बहाल कर दिया गया है जो मृतकों और उनके परिवार की भावनाओं के साथ-साथ प्रदेश के सभी आदिवासियों के साथ खिलवाड़ है पर आज पर्यंत पुलिस द्वारा दोषियों पर कोई कठोर कार्रवाई नहीं की गई है। जबकि भिलाई में अगर इस प्रकार की घटनाएं होती हैं तो जिम्मेदार लोगों पर बीएसपी प्रबंधन भी कार्यवाही करतीं और पुलिस प्रशासन भी। इसका ताजा उदाहरण है भिलाई स्टील प्लांट में हुए लोहा चोरी में बीएसपी अधिकारियों को जेल भेजा गया है। फिर राजहरा में ऐसा क्यों नहीं हर बार सिर्फ लीपा-पोती और जो जिम्मेदार है उनको बचाने का प्रयास किया जाता है और बचा भी लिया जाता है इसके बहुत से उदाहरण है। यह केवल दुर्घटना नहीं, बल्कि घोर लापरवाही और आपराधिक कृत्य से की गई हत्या है। क्योंकि ठेका की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी राजहरा टाउनशिप के जिम्मेदार अधिकारी मंगेश सेलकर द्वारा बिना सुरक्षा मापदंडों का पालन किए कार्य समय अवधि के बाद भी करवाया जा रहा था जिसके कारण 03 आदिवासी ठेका श्रमिकों की मृत्यु हो गई है। संगठन द्वारा मांग की गई कि बीएसपी द्वारा निलंबित किए गए उपमहाप्रबंधक टाउनशिप मंगेश सेलकर और रमेश हेडऊ पर भारतीय न्याय संहिता की गैर-जमानती धाराओं एवं अन्य संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की जाए। सभी आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए और जब-तक इन जिम्मेदार अधिकारियों की गिरफ्तारी नहीं होती है।

देश की आर्थिक नींव रखने रखने वाले मजदूर आज भी उपेक्षित : मुस्ताक

दल्लीराजहरा। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री और धरना प्रदर्शन के मुख्य वक्ता मुस्ताक अहमद अंसारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि देश की आर्थिक नींव रखने और उत्पादन क्षेत्र में दिन-रात पसीना बहाने वाला मजदूर वर्ग आज भी घोर उपेक्षा और असुरक्षा का सामना कर रहा है। बढ़ती महंगाई, जीवनयापन की बढ़ती लागत और काम की बदलती परिस्थितियों ने आम मजदूरों के पारिवारिक जीवन को गंभीर संकट में डाल दिया है। ऐसी स्थिति में, मजदूरों की लंबे समय से लंबित मांगों का तत्काल समाधान करने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने हेतु भारतीय मजदूर संघ ने देशव्यापी आंदोलन का किया। रांची में आयोजित केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक के निर्णय के अनुसार, देश की 28 राज्य इकाइयां और 42 उद्योग महासंघ एकजुट होकर सभी जिला मुख्यालयों पर विशाल विरोध प्रदर्शन, रैलियां और धरने आयोजित करने का निर्णय किया था। कार्यसमिति ने जिला अधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और श्रम मंत्री को ज्ञापन सौंपने का भी निर्णय लिया था। इसी तारतम्य में भारतीय मजदूर संघ जिला बालोद द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन धरना स्थल बस स्टैंड बालोद में किया गया और सरकार को उनकी जिम्मेदारीयों को स्मरण कराया गया है। सुबह से हो रहें बरसात के बावजूद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहियकाओं और मजदूरों ने जबरदस्त उत्साह के साथ बारिश में भीगते हुए धरना प्रदर्शन में शामिल हुए। इस धरना प्रदर्शन में भारतीय मजदूर संघ के सभी अनुशांगिक संगठन शामिल हैं। जैसे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ, खदान मजदूर संघ भिलाई, बिजली संघ, भवन एवं अन्य निर्माण मजदूर संघ, राज्य कर्मचारी संघ एवं अन्य सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति थी। जिला मंत्री मुस्ताक अहमद ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं, मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) कर्मियों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों सहित एक करोड़ से अधिक स्कीम वर्कर्स के प्रति केंद्र और राज्य सरकारों के दृष्टिकोण की समीक्षा करने का समय आ गया है। सामान्यतः किसी भी सामाजिक कल्याण योजना की अवधि 10 से 12 वर्ष ही होती है।

संक्षिप्त समाचार

पक्की छत के साथ मिली आजीविका की नई राह

रायपुर। जिले के तपकरा निवासी घुरा राम के जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना ने एक बड़ा बदलाव लाया है। कभी घुरा राम अपने परिवार के साथ छोटे से कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। बारिश और मौसम की मार के बीच पक्के और सुरक्षित घर का सपना उनके लिए दूर की बात थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जब घुरा राम तक पहुंचा, तो उनका यह सपना साकार हुआ। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें पक्का मकान मिला। आज उनका परिवार अपने स्वयं के सुरक्षित और सुविधाजनक घर में खुशहाल जीवन जी रहा है। घुरा राम के लिए यह मकान केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का आधार भी बन गया है। उन्होंने इसी मकान में अपनी छोटी-सी दुकान शुरू कर ली है। जिससे उन्हें नियमित आय का साधन प्राप्त हो रहा है। अब उनका घर परिवार के लिए आशियाना होने के साथ-साथ आजीविका का केंद्र भी बन गया है। घुरा राम बताते हैं कि योजना ने उन्हें केवल सिर पर पक्की छत ही नहीं दी, बल्कि सम्मान के साथ जीवन जीने और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का अवसर भी दिया। सरकार की योजनाओं का यही उद्देश्य है—हर परिवार को सुरक्षित आवास के साथ आत्मनिर्भरता की नई राह देना।

पिपरहा तालाब में मिला 3 दिन से लापता युवक का शव, इलाके में मचा हड़कंप

रायपुर। शहर के पिपरहा तालाब में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब नहाने पहुंचे लोगों ने पानी में एक युवक का शव तैरते हुए देखा। लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान 40 वर्षीय आनंद यादव, पति सावंत यादव के रूप में हुई है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है।जानकारी के अनुसार आनंद यादव पिपरहा तालाब के पास स्थित मोहल्ले में रहता था और अंबेडकर चौक स्थित एक होटल में काम करता था। परिजनों के मुताबिक आनंद पिछले तीन दिनों से लापता था। परिवार के लोग लगातार उसकी तलाश कर रहे थे, हालांकि इस संबंध में पुलिस को सूचना नहीं दी गई थी। शुक्रवार को तालाब में शव मिलने की खबर से मृतक के परिवार में मातम पसर गया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस आत्महत्या समेत अन्य संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकती है। मामले में आगे की जांच जारी है।

खारुन नदी में मिली 53 वर्षीय व्यक्ति की लाश, 18 अगस्त से था लापता

रायपुर। राजधानी रायपुर में खारुन नदी में एक व्यक्ति का शव तैरता हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही डीडी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान चंगोराभाटा निवासी 53 वर्षीय उमेन्द्र देवांगन के रूप में हुई है।

छत्तीसगढ़ के कण-कण में विराजमान हैं देवाधिदेव महादेव

प्रदेश की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा हमारी अमूल्य धरोहर-मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सपत्नीक शिव महापुराण कथा में हुए शामिल, व्यासपीठ की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की
- पांच शक्तिपीठों का चारधाम की तर्ज पर हो रहा विकास, धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को मिल रही नई पहचान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय के साथ भिलाई नगर के जयंती स्टेडियम के समीप आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा के अंतिम दिवस कथा श्रवण करने पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री साय ने विधि-विधान से व्यासपीठ की पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की। विशाल संख्या में उपस्थित शिवभक्तों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि माता कौशल्या की जन्मभूमि और प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ की इस्पात नगरी भिलाई में पिछले सात दिनों से शिवभक्ति की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है। यह हम सभी के लिए सौभाग्य का अवसर है। हजारों श्रद्धालुओं को शिव महापुराण कथा के माध्यम से धर्म, अध्यात्म और सनातन संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिला है। आज उन्हें भी सपत्नीक इस पुण्य कथा के श्रवण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती भगवान शिव की आराधना और शक्ति उपासना की प्राचीन परंपरा से समृद्ध रही है। प्रदेश के चारों दिशाओं में अलग-अलग स्वरूपों में भगवान महादेव विराजमान हैं। रायपुर में

हटकेश्वर महादेव, कबीरधाम में भोरमदेव, राजिम में कुलेश्वर महादेव, चम्पारण में चम्पेश्वर महादेव, गरियाबंद में भूतेश्वर महादेव, सिरपुर में गंधेश्वर महादेव और जशपुर में मधेश्वर महादेव सहित अनेक प्राचीन शिवधाम हमारी आस्था और आध्यात्मिक विरासत के केंद्र हैं। छत्तीसगढ़ के कण-कण में देवाधिदेव महादेव की कृपा है और उनके आशीर्वाद से प्रदेश निरंतर खुशहाली एवं समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान शिव के साथ ही छत्तीसगढ़ में आदिशक्ति के अनेक पवित्र स्वरूप विराजमान हैं। राज्य सरकार प्रदेश की इस समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और तीर्थ स्थलों के सुनियोजित विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सूरजपुर की कुदरगढ़ी माता, चंद्रपुर की मां चंद्रहासिनी, रतनपुर की मां महामाया, डोंगरगढ़ की मां बम्लेश्वरी और दंतेवाड़ा की मां दंतेश्वरी के शक्तिपीठों को चारधाम की तर्ज पर विकसित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं का विस्तार होने के साथ प्रदेश में धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर मिले।राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को भी पुन: प्रारंभ किया है, जिसके अंतर्गत पात्र श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा और दर्शन का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के माध्यम से अब तक छत्तीसगढ़ के 50 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम जाकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का अभिनंदन करते हुए कहा कि वे शिव महापुराण कथा के माध्यम से देश-दुनिया में भगवान शिव की महिमा, सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों का संदेश जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्पात नगरी भिलाई में लगातार तीसरी बार शिव महापुराण कथा का आयोजन होना यहां के श्रद्धालुओं की गहरी आस्था और धर्म के प्रति अनुराग का परिचायक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों की ओर से पंडित प्रदीप मिश्रा का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने सात दिवसीय शिव महापुराण कथा के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति, सहयोगियों और सभी शिवभक्तों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

तय सीमा में नहीं हुआ राशनकार्ड में नाम सुधार

- तिल्दा नगर पालिका के सीएमओ पर 100 रुपए का जुर्माना

रायपुर संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशनरूप आम जनता से जुड़ी सेवाओं को समय सीमा के भीतर पूरा करने हेतु लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत क्रियान्वयन करना सुनिश्चित किया जा रहा है। रायपुर जिले के तिल्दा नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमिताभ शर्मा पर लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत 100 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। एक हितग्राही के राशन कार्ड में नाम सुधार का आवेदन प्राप्त हुआ था। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत इसके लिए 30 दिन की समय सीमा निर्धारित है। परंतु निर्धारित समय सीमा के भीतर नाम सुधार का कार्य पूर्ण नहीं किया गया, जिसके कारण सीएमओ के विरुद्ध यह कार्रवाई की गई। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि सभी विभाग लोक सेवा गारंटी अधिनियम का अनिवार्य रूप से पालन करें। जिस विभाग में निर्धारित समय सीमा के भीतर आम जनता को लाभ नहीं दिया जाएगा, संबंधित अधिकारी पर शासन के नियमानुसार जुर्माना लगाया जाएगा। कलेक्टर डॉ. सिंह ने समस्त विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि आवेदनों का समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ बिना विलंब के मिल सके।

महतारी वंदन योजना से संवर रहीं धमतरी की बहनों की खुशियां.....

रायपुर/ संवाददाता

महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को हर महीने आर्थिक मदद मिलती है। इस राशि से छत्तीसगढ़ की माताएं और बहनें अपने घर के छोटे-बड़े काम और त्यौहार की जरूरतें आसानी से पूरी कर पा रही हैं। रक्षाबंधन का पावन पर्व सिर्फ धागों और वचनों का त्यौहार नहीं, बल्कि स्नेह और भरोसे का प्रतीक भी है। इस बार रक्षाबंधन से ठीक पहले धमतरी की शिवानी साहू के जीवन में यह पर्व खुशियों की एक नई सौगात लेकर आया है। राज्य सरकार की श्महतारी वंदन योजनाश् के तहत मिली नियमित सहायता राशि ने न केवल उनके त्यौहार की उमंग को दोगुना कर दिया है, बल्कि उनके परिवार को आर्थिक संबल भी

प्रदान किया है। त्यौहारों के आगमन के साथ ही घर-परिवार में कपड़ों, मिष्ठान और बच्चों की जरूरतों से जुड़े कई छोटे-बड़े खर्च अचानक बढ़ जाते हैं। ऐसे संवेदनशील अवसर पर समय पर मिली यह आर्थिक मदद शिवानी के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं हुई। वे बताती हैं कि योजना से मिलने वाली राशि से घरेलू बजट पर पड़ने वाला दबाव काफी हद तक कम हो जाता है। इससे आवश्यक सामान की खरीदारी और त्यौहार की तैयारियां बिना किसी चिंता के पूरी हो जाती हैं। यह राशि उनके लिए सिर्फ आर्थिक मदद नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और स्वावलंबन का एक सशक्त जरिया बन चुकी है, जिससे घर के छोटे-मोटे आर्थिक निर्णयों में भी उनकी भूमिका मजबूत हुई है।?भावुक मन से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए शिवानी कहती हैं कि हमारे विष्णु भैया ने रक्षाबंधन से पहले ही महतारी वंदन की राशि देकर हम बहनों को राखी का अनमोल तोहफा दिया है। उन्होंने बहनों का मान बढ़ाया है। शिवानी का यह अनुभव दर्शाता है कि जब सरकारी योजनाएं सीधे आम नागरिक की रोजमर्रा की जरूरतों और खुशियों से जुड़ती हैं।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनीं जुनवानी की बिहान दीदियां

- रक्षाबंधन पर 6 स्व-सहायता समूहों की महिलाएं बना रहीं बीज और फैंसी राखियां, अब तक डेढ़ लाख रुपये की बिक्री

रायपुर/ संवाददाता

रक्षाबंधन के अवसर पर ग्राम जुनवानी की बिहान दीदियों ने भाई-बहन के रिश्ते को आजीविका से जोड़ते हुए नई पहल की है। गांव के 6 स्व-सहायता समूहों की महिलाएं बीज और फैंसी राखियां तैयार कर रही हैं। अब तक करीब डेढ़ लाख रुपये की राखियों की बिक्री हो चुकी है। बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग महिलाएं आगे राखी निर्माण और अन्य आजीविका गतिविधियों के विस्तार में कर रही हैं। समूह की महिलाओं ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत उन्हें आजीविका गतिविधियों के लिए आरएफ से 15 हजार रुपये की सहायता मिली। इसके साथ सीआईएफ से 60 हजार रुपये की राशि का उपयोग आर्थिक गतिविधियों के विस्तार के लिए किया गया। समूह की महिलाओं ने महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि को भी इस गतिविधि में लगाया और राखी निर्माण के लिए कच्चा माल खरीदा। इसके बाद महिलाओं ने मिलकर अलग-अलग डिजाइन की बीज और फैंसी राखियां तैयार कीं। बाजार में मांग के कारण इनकी बिक्री लगातार हो रही है। जुनवानी की बीज राखियां इस पहल की खास पहचान बनी हैं। राखी में मौजूद बीज को रक्षाबंधन के बाद मिट्टी में रोपकर पौधा तैयार किया जा सकता है। इस तरह महिलाओं द्वारा तैयार उत्पाद त्योहार के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहे हैं। महतारी वंदन योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि दी जा रही है। अब तक योजना की 30 किस्तें जारी हो चुकी हैं। जुनवानी की महिलाओं ने योजना से मिली राशि का उपयोग आजीविका गतिविधि में कर राखी निर्माण शुरू किया है। इससे उन्हें अपनी मेहनत और हुनर के माध्यम से अतिरिक्त आमदनी का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से बिहान की दीदियों को स्व-सहायता समूहों में संगठित कर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पीआरपी श्रीमती

राखी पर्व से पहले सुनीता के खाते में पहुंची महतारी वंदन की 30वीं किस्त

- विष्णु भैया ने प्रदेश की बहनों को रक्षाबंधन से पहले दिया तोहफा

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के लिए निरंतर आर्थिक संबल का माध्यम बन रही है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपनी व्यक्तिगत और पारिवारिक जरूरतों

को पूरा करने में सहयोग प्राप्त कर रही हैं। जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा विकासखंड अंतर्गत ग्राम रसौटा की श्रीमती सुनीता अनंत के लिए भी महतारी वंदन योजना मुश्किल समय में भरोसे का सहारा बन गई है। योजना की 30वीं किस्त की राशि खाते में पहुंचने से सुनीता के चेहरे पर खुशी और संतोष नजर आया। रक्षाबंधन पर्व से पहले मिली इस राशि को उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की ओर से प्रदेश की बहनों के लिए विशेष उपहार बताया। श्रीमती सुनीता अनंत ने बताया कि हर महीने मिलने वाली 1000 रुपये की राशि से वे घर-परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने के साथ बच्चों की पढ़ाई में भी सहयोग कर पाती हैं। उन्होंने कहा, महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त रक्षाबंधन से पहले मिलना हमारे लिए खुशी की बात है। विष्णु भैया ने प्रदेश की बहनों को यह तोहफा दिया है। बच्चों की पढ़ाई या घर में कोई जरूरी काम सामने आने पर महतारी वंदन की राशि हमारे लिए बड़ा सहारा बनती है। सुनीता ने कहा कि नियमित रूप से मिलने वाली सहायता राशि से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है।

सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 12 करोड़ स्वीकृत...

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले की सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जिले के दो महत्वपूर्ण मार्गों के मजबूतीकरण एवं उन्नयन कार्य के लिए 12 करोड़ 63 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होने के साथ ही स्थानीय विकास को भी गति मिलेगी। स्वीकृति के तहत शिवपुर से पत्थलगांव मार्ग के 9 किलोमीटर हिस्से के मजबूतीकरण के लिए 5 करोड़ 1 लाख रुपए तथा दुलदुला से चटकपुर-लोटापानी मार्ग, कुनकुरी के 18.6 किलोमीटर हिस्से के मजबूतीकरण के लिए 7 करोड़ 62 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन दोनों मार्गों के सुदृढ़ीकरण से क्षेत्र के ग्रामीणों, किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को बेहतर एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। सड़कें मजबूत और बेहतर होने से आवागमन के समय में कमी आएगी तथा दूरस्थ क्षेत्रों से मुख्य मार्गों और बाजारों तक पहुंच आसान होगी। इससे कृषि एवं व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ क्षेत्र की आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों को भी गति मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में सड़क अधोसंरचना के विस्तार, निर्माण, उन्नयन और सुदृढ़ीकरण का कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है।

प्रथम कैबिनेट में 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास निर्माण का लिया गया था संकल्प

सरकार के गठन के बाद 11 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास पूर्ण

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास निर्माण का कार्य निरंतर गति से जारी है। उपमुख्यमंत्री एवं पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि नई सरकार के गठन के बाद से अब तक 11 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के मकान पूर्ण किए जा चुके हैं। राज्य सरकार गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ लगातार कार्य कर रही है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि नई सरकार के गठन के बाद प्रथम कैबिनेट बैठक में ही प्रदेश के पात्र परिवारों के लिए 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने एवं निर्माण का संकल्प लिया गया था। इसी संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा आवास निर्माण की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया गया है। पुराने एवं नए वित्तीय वर्षों के स्वीकृत आवासों को आवश्यक राशि उपलब्ध कराते हुए निर्माण कार्य पूर्ण कराया जा रहा है। श्री शर्मा ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में प्रदेश में 5 लाख 92 हजार से अधिक प्रधानमंत्री आवास पूर्ण किए गए। यह उपलब्धि पूरे देश में सर्वाधिक है। राज्य सरकार द्वारा आवास निर्माण की गति को बनाए रखते हुए पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराने के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2011 एवं 2018 की पात्रता सूची के अंतर्गत पात्र पाए गए सभी आवासों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। कुल स्वीकृत आवासों में से अब तक 20 लाख 40 हजार मकानों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। वहीं, वर्तमान में लगभग 4 लाख आवासों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आवास स्वीकृत करना नहीं, बल्कि पात्र परिवारों को शीघ्रता से उनके पक्के मकान का लाभ दिलाना है। इसी उद्देश्य से निर्माणाधीन आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के लिए विभागीय स्तर पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्पष्ट किया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पूर्ण किए गए 11 लाख से अधिक आवासों में पिछले वित्तीय वर्षों में स्वीकृत आवास भी शामिल हैं। पुराने समय में स्वीकृत ऐसे आवास, जो विभिन्न कारणों से लंबित थे, उन्हें भी आवश्यक राशि उपलब्ध कराकर वर्तमान सरकार द्वारा पूर्ण कराया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पुराने लंबित आवासों को भी प्राथमिकता देते हुए हितग्राहियों को आवास का लाभ दिलाने का कार्य किया है। इस प्रकार पिछले ढाई वर्षों के अल्प समय में पुराने एवं नए वित्तीय वर्षों के आवासों को मिलाकर 11 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पूर्ण किए गए आवासों में विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत आवास भी शामिल हैं। इनमें मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत 48 हजार आवासों में से लगभग 20 हजार आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत लगभग 23 हजार आवास शामिल हैं। इसके अतिरिक्त विशेष परियोजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत आवास भी आवास निर्माण की उपलब्धि में शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से विशेष रूप से जरूरतमंद, गरीब एवं वंचित परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के प्रत्येक गरीब परिवार को पक्की छत उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। छत्तीसगढ़ सरकार इसी संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। सरकार बनने के बाद आवास निर्माण को प्राथमिकता देते हुए स्वीकृत आवासों के निर्माण में तेजी लाई गई है। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में 11 लाख से अधिक आवासों का पूर्ण होना राज्य सरकार की प्रतिबद्धता और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। पुराने लंबित आवासों को पूरा करने के साथ-साथ नए स्वीकृत आवासों का निर्माण भी नियमित रूप से जारी है। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में लगभग 4 लाख आवास निर्माणाधीन हैं और इन्हें भी शीघ्र पूर्ण करने के लिए विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र गरीब परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के माध्यम से गरीब परिवारों के जीवन में स्थायी बदलाव लाने का कार्य किया जा रहा है।

संपादकीय

धार्मिक पर्यटन से राजस्व तो बढ़ा, लेकिन श्रद्धालुओं की 'सुरक्षा' का जिम्मेदार कौन?

देश में जब कभी भगदड़ की कोई घटना होती है, तो सरकार की ओर से आश्वासनों के जरिए यही संदेश दिया जाता है कि भविष्य में इस तरह के हादसों से बचने के लिए व्यवस्था में सुधार कर पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। मगर इन दावों की हकीकत तब सामने आती है, जब कुछ दिन बाद दूसरी जगह इसी तरह का हादसा हो जाता है।इसका ताजा उदाहरण बिहार के लखीसराय जिले में अशोक धाम मंदिर के पास सोमवार सुबह देखने को मिला, जहां रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और चौदह अन्य घायल हो गए। इसी तरह उज्जैन के महाकालेश्वर परिसर में स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ के बीच भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिससे कई लोगों को चोटें आईं।जाहिर है कि इस तरह के हादसों से न तो सरकार और न ही मंदिर प्रबंधन या धार्मिक समागम के आयोजक कोई सबक लेते हैं। ऐसे में अहम सवाल यह है कि भगदड़ की घटनाओं पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या पीड़ित परिवारों को कुछ रुपए की आर्थिक मदद ही उनके लिए न्याय के समान है!यह बात छिपी नहीं है कि देश भर में आए दिन भगदड़ की घटनाओं में लोगों की जान जाने का सिलसिला वर्षों से जारी है। खासकर धार्मिक स्थलों पर इस तरह के हादसे आम हो गए हैं। पिछले दो वर्षों की प्रमुख घटनाओं पर नजर डालें, तो उत्तर प्रदेश के हाथरस में जुलाई, 2024 में एक धार्मिक समागम में हुई भगदड़ में सौ से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। पिछले वर्ष जनवरी में महाकुंभ के दौरान संगम क्षेत्र में मची भगदड़ से तीस लोगों की जान चली गई थी।इसके बाद फरवरी में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की भीड़ के कारण इसी तरह के हादसे में अठारह लोगों की मौत हो गई थी। गत वर्ष जुलाई में हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में हुई भगदड़ में छह श्रद्धालुओं ने दम तोड़ दिया था। सवाल है कि केंद्र और राज्य सरकारों के बार-बार आश्वासनों के बावजूद धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं हो पा रहे हैं?किसी भी स्तर पर भीड़ प्रबंधन को लेकर गंभीरता और संवेदनशीलता नजर क्यों नहीं आती है? इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि एक ओर विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं, ताकि इस क्षेत्र को राजस्व के एक बड़े स्रोत के रूप में विकसित किया जा सके। मगर इसके समांतर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मोर्चे पर कोई विशेष इंतजाम नजर नहीं आते हैं।खबरों के मुताबिक, अशोक धाम रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना उस समय हुई, जब श्रद्धालुओं की भीड़ के दबाव में अवरोधक का एक हिस्सा टूट गया और लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे। सवाल है कि स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए माकूल व्यवस्था क्यों नहीं की गई थी।

अल्पसंख्यकों की असुरक्षा से आतंकवाद तक पाक का यथार्थ

(ललित गर्ग)

1947 में जब पाकिस्तान वजूद में आया एवं 1951 की जनगणना में पूरे तत्कालीन पाकिस्तान में हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 14.6 प्रतिशत थी, पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में 'हिंदू जाति' की आबादी 3,867,729 और 'अनुसूचित जाति' की आबादी 1,349,487 दर्ज की गई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया गया हालिया बयान केवल एक जहरीली एवं कड़वी राजनीतिक टिप्पणी ही नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की उस मानसिकता का आईना है, जिसमें भारत के प्रति कटुता, अविश्वास, नफरत और वैचारिक विरोध आज भी गहरे पैठे हुए हैं। जरदारी ने 'अखंड भारत' की अवधारणा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय इसमें विश्वास करते हैं, लेकिन वे मुसलमान होने के नाते इससे सहमत नहीं हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान में हिंदुओं के सुरक्षित और सुखी होने का दावा भी किया। सवाल यह है कि दुनिया किसी राष्ट्राध्यक्ष के दावे पर विश्वास करे या आंकड़ों और जमीन पर दिखाई देने वाली वास्तविकता पर? इतिहास का न्याय भावनाओं से नहीं, तथ्यों से होता है। और पाकिस्तान के संदर्भ में जनसांख्यिकी, अल्पसंख्यकों की स्थिति, धार्मिक स्वतंत्रता और आतंकवाद-ये चारों क्षेत्र ऐसे आईने हैं जिनमें उसकी अपनी तस्वीर साफ दिखाई देती है। 1947 में जब पाकिस्तान वजूद में आया एवं 1951 की जनगणना में पूरे तत्कालीन पाकिस्तान में हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 14.6 प्रतिशत थी, पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में 'हिंदू जाति' की आबादी 3,867,729 और 'अनुसूचित जाति' की आबादी 1,349,487 दर्ज की गई है। कुल आबादी 240.46 मिलियन है। इन दोनों श्रेणियों को जोड़ें तो हिस्सा लगभग 2.17 प्रतिशत बैठता है। अर्थात आज के पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की जनसंख्या हिस्सेदारी अत्यंत सीमित रह गई है। इसके विपरीत भारत की स्थिति को भी तथ्यों के साथ ही देखना चाहिए। भारत की अंतिम प्रकाशित पूर्ण जनगणना 2011 की है। उसमें मुस्लिम आबादी 14.23 प्रतिशत, यानी 17.22 करोड़ दर्ज हुई थी। यही वह बिंदु है जहां भारत और पाकिस्तान के बीच वास्तविक अंतर सामने आता है। भारत ने धर्म के आधार पर नागरिकता की अवधारणा को राज्य की नागरिकता का आधार नहीं बनाया। संविधान ने हर नागरिक को समान नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और अपनी आस्था के पालन की स्वतंत्रता दी। भारत में मुसलमानों ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, न्यायपालिका, सेना, शिक्षा, उद्योग, कला, खेल और प्रशासन सहित जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाई है। यह लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। इसके विपरीत पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं की रिपोर्टें गंभीर प्रश्न उठाती हैं। ह्यूमन राइटस वाच की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा, मनमानी गिरफ्तारी और सामाजिक दबाव के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना दिया है। रिपोर्ट में हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदियों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और जबरन विवाह-धर्मांतरण जैसी समस्याओं का उल्लेख है। 2023 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के जरनवाला में ईशनिंदा के आरोपों के बाद चर्चों और ईसाई घरों पर भीड़ के हमले हुए। ह्यूमन राइटस वाच ने पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के इस्तेमाल से अल्पसंख्यकों की संपत्ति पर कब्जे और उन्हें घर छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने के मामलों का भी दस्तावेजीकरण किया है। ऐसे में जरदारी का यह कहना कि पाकिस्तान के हिंदू बहुत खुश हैं, एक झूठा, गुमराह करने वाला एवं भ्रामक राजनीतिक दावा तो हो सकता है, लेकिन उसे व्यापक तथ्यात्मक प्रमाण की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। किसी देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं या नहीं, इसका प्रमाण केवल राष्ट्राध्यक्ष का बयान नहीं, बल्कि उनके नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, मंदिरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा, कानून के सामने समानता तथा भयमुक्त जीवन है। भारत में सरकारों के खिलाफ मुसलमानों एवं अन्य अल्पसंख्यकों के द्वारा आवाज उठाई जा सकती है, न्यायालयों में चुनौती दी जा सकती है। यही लोकतांत्रिक भारत और धार्मिक-सामुदायिक असुरक्षा से जूझते पाकिस्तान के बीच बुनियादी अंतर है। दूसरा बड़ा प्रश्न पाकिस्तान के भारत-विरोधी आतंकवाद का है। पिछले कई दशकों में सीमा पार आतंकवाद भारत की सुरक्षा के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में रहा है। संसद पर हमला, मुंबई हमले, पठानकोट, उरी, पुलवामा और जम्मू-कश्मीर में लगातार हिंसक घटनाएं इस समस्या का हिस्सा रही हैं। 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर पर कार्रवाई की। विदेश मंत्रालय ने उस समय स्पष्ट किया था कि पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध कार्रवाई की गई क्योंकि पाकिस्तान उन्हें नष्ट करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा था। 2025 में पहलगाम के आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सुरक्षा नीति में एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत दिया। 22 अप्रैल 2025 के हमले में 26 लोगों की हत्या के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत सरकार ने इसे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध लक्षित और नियंत्रित कार्रवाई बताया। यह परिवर्तन केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं है। भारत ने आतंकवाद के साथ-साथ उसके वित्तीय और नशीले पदार्थों के नेटवर्क पर भी ध्यान केंद्रित किया है। सरकार ने विदेशी तत्वों द्वारा नशीले पदार्थों को सीमा पार भेजकर 'नार्को-टेरर' को वित्त उपलब्ध कराने की बात कही है। यहां भारत की चुनौती केवल सीमा पर बंदूक लेकर खड़े आतंकवादी से नहीं है। चुनौती उस पूरे तंत्र से है जिसमें आतंकवाद, हथियार, ड्रोन, नशीले पदार्थ, फर्जी सूचनाएं और सामाजिक विभाजन-सब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उसने पाकिस्तान को यह संदेश दिया है कि आतंकवाद और बातचीत को समानांतर रास्तों पर नहीं चलाया जा सकता। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट कार्रवाई और 2025 का ऑपरेशन सिंदूर अलग-अलग घटनाएं जरूर हैं, लेकिन इनके पीछे एक समान संदेश दिखाई देता है-भारत अब आतंकवाद को केवल सहने या निंदा करने तक सीमित नहीं रहेगा। इस बदले हुए भारत की तस्वीर पाकिस्तान की बेचैनी को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत की अर्थव्यवस्था, तकनीकी क्षमता, अंतरिक्ष कार्यक्रम, रक्षा उत्पादन, डिजिटल बुनियादी ढांचा, वैश्विक कूटनीति और रणनीतिक प्रभाव लगातार बढ़े हैं। आज भारत को विश्व राजनीति में केवल दक्षिण एशिया की शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया के महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखा जाता है। पाकिस्तान की समस्या केवल यह नहीं है कि भारत उससे आर्थिक और सामरिक रूप से आगे निकल रहा है, उसकी बड़ी समस्या यह है कि भारत अपनी बहुलतावादी लोकतांत्रिक पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। जरदारी का बयान इसलिए भी विचारणीय है कि पाकिस्तान को भारत के भीतर की विविधता पर टिप्पणी करने से पहले अपने घर के भीतर झांकना चाहिए। भारत में मुसलमानों की आबादी बढ़ती आबादी का तथ्य स्वयं बताता है कि भारत में मुस्लिम समुदाय का अस्तित्व, विस्तार और सामाजिक जीवन किसी 'समाप्ति' की कहानी नहीं है। दूसरी ओर पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर आज भी अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाएं गंभीर चिंता व्यक्त कर रही हैं। इसलिए दुनिया के उन देशों को भी पाकिस्तान के प्रति अपनी नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए, जो केवल रणनीतिक या राजनीतिक हितों के कारण उसकी हर बात का समर्थन करते हैं। किसी राष्ट्र का मूल्यांकन उसके भाषणों से नहीं, उसके व्यवहार से होना चाहिए। यदि कोई देश एक तरफ आतंकवाद के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिबद्धता जताए और दूसरी तरफ उसकी धरती से सक्रिय आतंकी नेटवर्क लगातार पड़ोसी को निशाना बनाते रहें, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को केवल कूटनीतिक शब्दों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। भारत की शक्ति का अर्थ किसी धर्म या देश के प्रति घृणा नहीं, बल्कि अपने नागरिकों की सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई है। भारत के मुसलमान भी उतने ही भारतीय हैं जितने हिंदू, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और अन्य समुदाय। आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न भारत नहीं, बल्कि स्वयं पाकिस्तान है-वह कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद को विदेश नीति का औजार बनाना अंततः उसी समाज को अस्थिर करता है जिसने उसे जन्म दिया? पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों की हिंसा का दंश स्वयं वहां के नागरिक भी झेल रहे हैं। ह्यूमन राइटस वाच के अनुसार 2025 में पाकिस्तान में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के हमलों में सैकड़ों लोग मारे गए। जरदारी को भारत के 'अखंड भारत' की चिंता करने से पहले अपने वर्तमान पाकिस्तान की अखंडता, शांति और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की चिंता करनी चाहिए। इतिहास का सबसे बड़ा व्यंग्य यही है कि जो राष्ट्र भारत की एकता पर प्रश्न उठाता है, वह स्वयं आतंकवाद, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और सामाजिक विभाजन से जूझता रहा है।

मानव सेवा से जुड़े वालेंटियरों का सम्मान जरूरी

(डॉ. रमेश ठाकुर)

अभी हाल में लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हमले हुए थे, जिसकी भारत सरकार ने भी कड़ी निंदा की और कहा है कि शांति सैनिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने इसको लेकर संयुक्त राष्ट्र को वैश्विक प्रस्ताव पेश करने का आह्वान भी किया है।

कुदरती आपदाएं हों या मानवीय हिमाकतों से उपजी विभिन्न किस्म की समस्याएं, प्रत्येक संकटों के वक्त ईश्वर हर मानव को मानवता दिखाने का अवसर देता है। भगवान की इस अदृश्य परीक्षा में कुछ पास होते हैं तो कुछ असफल। आज 'विश्व मानवतावादी दिवस' है जो प्रत्येक मानव को मानवता दिखाने के लिए प्रेरित और जागरूक करता है। प्रतिवर्ष 19 अगस्त की तारीख को समूचे संसार में एक साथ ये दिवस मनाया जाता है। दिवस उन मानवीय सहायता कर्मियों, शांति सैनिकों, सिविल डिफेंस, सुरक्षाकर्मियों, को समर्पित है, जो विकराल संकटों में निर्बलों और असहायों की मदद के लिए अपने प्राणों को दांव पर लगाकर औरों के जीवन को बचाते हैं। पर, अफसोस अब आए दिन ऐसे सुरक्षाकर्मियों पर भी हमले होने लगे हैं। जबकि, रक्षाकर्मी सदैव सम्मान के पात्र रहे हैं। मानवतावाद, मानवीय प्रणाली के सभी भागीदारों को एकजुट करके संकट से प्रभावित लोगों के अस्तित्व, कल्याण और गरिमा के लिए मानवीय कार्यकर्ताओं की सुरक्षा और संरक्षण की वकालत करता है। पूरे भारत में करीब 11 करोड़ सिविल डिफेंस कर्मी हैं। सिर्फ दिल्ली में एक लाख 34 हजार वॉलंटियर्स हैं। इसके अलावा विभिन्न गैर-सरकारी संस्थाओं से भी लोग जुड़े हैं। वैश्विक धरा पर शांति सैनिकों की संख्या 60 करोड़ के आसपास है।

मानवतावादी दिवस की शुरुआत 2008 में संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के बाद हुई थी। प्रस्तावना बगदाद में घटी 19 अगस्त 2003 को एक हृदय विदारक घटना को आधार बनाकर हुई। बगदाद शहर के प्रसिद्ध पांच सितारा होटल 'कैनाल ब्लू' में आतंकियों ने सुबह के समय भयानक बम ब्लास्ट किया, जिसमें करीब 22 होटल कर्मी मारे गए और दर्जनों गंभीर रूप से घायल हुए। ब्लास्ट किचन एरिया और सर्वेंट रूमों के अलावा उन जगहों पर किया गया जहां होटल कर्मियों की ही मौजूदगी थी। ब्लास्ट की आवाज सुनकर होटल में रह रहे लोग मदद को भागे। होटल में 208 कमरें थे और सभी में मेहमानों की मौजूदगी थी। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना ना सिर्फ 85 कर्मियों को बचाया, बल्कि मानवीय सिद्धांतों की अलख जगाकर पूरे विश्व में संदेश दिया कि विकट परिस्थितियों में मदद के लिए कभी मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। मानवीय गरिमा को बनाए रखने में प्रत्येक मानव को खुद की जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। इसलिए पहला धर्म यही है कि नागरिकों, मानवीय सहायता कर्मियों और शांति सैनिकों का सम्मान करके उनकी रक्षा जनमानस को करनी चाहिए।

अभी हाल में लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हमले हुए थे, जिसकी भारत सरकार ने भी कड़ी निंदा की और कहा है कि शांति सैनिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने इसको लेकर संयुक्त राष्ट्र को वैश्विक प्रस्ताव पेश करने का आह्वान भी किया है। भारत, शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के प्रयासों में अग्रणी रहा है। इस संदर्भ में भारत ने नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2589 का नेतृत्व भी किया है, जिसका उद्देश्य शांति सैनिकों के विरुद्ध अपराधों के लिए जवाबदेही तय करना है।

आज का दिन जनमानस को मानवतावादी कार्यकर्ताओं को सम्मान देने और वैश्विक संकट से जूझते लोगों की मदद के लिए खड़े होने का आह्वान करता है। सुरक्षाकर्मियों पर होने वाले हमले बेहद निंदनीय और किसी भी देश की कानून-व्यवस्था पर घोर आघात जैसा है। शांति बनाए रखने वाले जवानों पर हिंसा समाज और लोकतंत्र पर कालिख समान है। मानवीय सहायता कर्मियों पर हमलों के परिणाम प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित व्यक्तियों से कहीं अधिक व्यापक होते हैं। ये हमले खाद् आपूर्ति, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और अन्य जीवन रक्षक सेवाओं को बाधित करते हैं, जिससे समुदायों के पास जीवित रहने और उबरने के साधन और भी कम हो जाते हैं। इसलिए सभी को आज के दिन संकल्पित होना चाहिए कि मदद के वक्त खड़ा होना चाहिए और सुरक्षाकर्मियों को सम्मान प्रदान करना चाहिए। सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी) भारत सरकार।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भाषा बोझ नहीं, ज्ञान का पुल बने- क्यों प्राथमिक शिक्षा में मातृभाषा है सबसे ज़रूरी

(हिमांशु सिंह)

मातृभाषा शिक्षा की पहली खिड़की है जो अवधारणाओं को समझने और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करती है। सीबीएसई की त्रि-भाषा नीति बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ते हुए नई भाषाएँ सीखने का संतुलित अवसर देती है। किसी बच्चे के जीवन में भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह उसके सोचने, समझने और संसार को पहचानने की पहली खिड़की भी होती है। जन्म के बाद बच्चा जिस भाषा में अपने माता-पिता से स्नेह पाता है, अपने आसपास की वस्तुओं को पहचानता है और अपने विचार व्यक्त करना सीखता है, वही उसकी मातृभाषा होती है। इसलिए जब शिक्षा की शुरुआत उसी परिचित भाषा में होती है, तो सीखना बच्चे के लिए बोझ नहीं, बल्कि एक सहज और उत्साहजनक प्रक्रिया बन जाती है। मातृभाषा की यह शक्ति अद्भुत है। भारत भाषाई विविधता से समृद्ध देश है। यहां अलग-अलग क्षेत्रों में अनेक भाषाएं और बोलियां प्रचलित हैं। प्रत्येक भाषा अपने भीतर उस क्षेत्र का इतिहास, संस्कृति, लोक ज्ञान और जीवन-अनुभव समेटे हुए है। ऐसे में मातृभाषा में शिक्षा का महत्त्व केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, यह बच्चों को उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का भी माध्यम है। प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चे के सामने दोहरी चुनौती होती है। उसे एक ओर नए विषय और नई अवधारणाएं समझनी होती है, दूसरी ओर यदि पढ़ाई किसी अपरिचित भाषा में हो रही हो, तो पहले उस भाषा को समझने का प्रयास करना पड़ता है। इससे कई बार बच्चे की वास्तविक बौद्धिक क्षमता सामने नहीं आ पाती। वह विषय को समझने के बजाय शब्दों और उनके अर्थ याद करने में उलझ जाता है। इसके विपरीत, परिचित भाषा में पढ़ाए जाने पर वह प्रश्न पूछने, उदाहरण देने और अनुभवों को पाठ से जोड़ने में अधिक सहज महसूस करता है। सरकारी नीतियों में इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है।

यह एक सार्थक पहल है। इस व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी भाषा से जोड़े रखते हुए उन्हें अन्य भाषाओं को सीखने का अवसर प्रदान करना है। निश्चित रूप से इसके सार्थक नतीजे निकलेंगे। इस निर्णय पर समाज में अलग-अलग वर्ग से प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। अनेक शिक्षाविदों और अभिभावकों का मानना है कि एक से अधिक भारतीय भाषाओं का ज्ञान बच्चों की संवाद क्षमता को बढ़ाएगा और उन्हें देश की भाषाई विविधता को समझने में सहायता करेगा। नई भाषा सीखने से स्मरण शक्ति, रचनात्मकता और विभिन्न संस्कृतियों के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी।वहीं, कुछ अभिभावकों, विद्यार्थियों व विद्यालयों ने व्यावहारिक चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिलाया है।

मातृभाषा में शिक्षा का सबसे बड़ा लाभ अवधारणाओं की स्पष्ट समझ है। यदि किसी बच्चे को गणित, विज्ञान या पर्यावरण से जुड़ी बात उसके घर एवं परिवेश की भाषा में समझाई जाए, तो वह उसे अपने दैनिक जीवन से आसानी से जोड़ सकता है। जल संरक्षण, खेती, मौसम या स्थानीय वनस्पतियों से जुड़े विषयों को परिचित शब्दों और स्थानीय उदाहरणों के माध्यम से प्रभावी ढंग से समझाया जा सकता है। ऐसी शिक्षा केवल परीक्षा के लिए याद की गई जानकारी नहीं होती, बल्कि लंबे समय तक स्मृति में रहने वाला ज्ञान बन जाती है। भाषा का आत्मविश्वास से भी गहरा संबंध है। यह चिंता की बात है कि कई बच्चे केवल इसलिए कक्षा में प्रश्न नहीं पूछते, क्योंकि वे शिक्षण की भाषा में स्वयं को सहजता से व्यक्त नहीं कर पाते। यह झिझक उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करने लगती है। कभी-कभी भाषा की कमजोरी को ज्ञान की कमी समझ लिया जाता है, जबकि दोनों अलग बातें हैं। मातृभाषा में अपनी बात रखने का अवसर मिलने पर बच्चा अधिक सक्रिय होकर कक्षा की गतिविधियों में भाग लेता है। उसे यह अनुभव होता है कि उसकी भाषा और उसके विचारों का भी सम्मान है। ऐसे में मातृभाषा में शिक्षा की पहल महत्त्वपूर्ण है। इसी व्यापक सोच के बीच विद्यालयी शिक्षा में तीन भाषाओं को पाठ्यक्रम से जोड़ने की व्यवस्था चर्चा का विषय बनी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के अनुरूप केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने त्रि-भाषा व्यवस्था लागू करने की दिशा में नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को तीन भाषाओं का अध्ययन करना होगा और उनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने भी विभिन्न भारतीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री और पुस्तकों की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में प्रयास किए हैं। यह एक सार्थक पहल है। इस व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी भाषा से जोड़े रखते हुए उन्हें अन्य भाषाओं को सीखने का अवसर प्रदान करना है। निश्चित रूप से इसके सार्थक नतीजे निकलेंगे। इस निर्णय पर समाज में अलग-अलग वर्ग से प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। अनेक शिक्षाविदों और अभिभावकों का मानना है कि एक से अधिक भारतीय भाषाओं का ज्ञान बच्चों की संवाद क्षमता को बढ़ाएगा और उन्हें देश की भाषाई विविधता को समझने में सहायता करेगा। नई भाषा सीखने से स्मरण शक्ति, रचनात्मकता और विभिन्न संस्कृतियों के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी।वहीं, कुछ अभिभावकों, विद्यार्थियों व विद्यालयों ने व्यावहारिक चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिलाया है। उनकी चिंता है कि माध्यमिक कक्षाओं में अचानक नई भाषा जोड़ने से विद्यार्थियों पर अतिरिक्त शैक्षणिक दबाव पड़ सकता है। कुछ विद्यालयों में अलग-अलग भाषाओं के प्रशिक्षित शिक्षकों और पर्याप्त पाठ्य सामग्री की उपलब्धता भी चुनौती हो सकती है। पहले से विदेशी भाषा पढ़ रहे विद्यार्थियों के सामने विषय बदलने व नई भाषा के साथ तालमेल बैठाने की कठिनाई भी सामने आ सकती है। हालांकि इन चिंताओं को देखते हुए कुछ लचीले प्रावधान किए गए हैं। यह दर्शाता है कि किसी भी शैक्षणिक सुधार की सफलता केवल उसके उद्देश्य पर नहीं, बल्कि उसके संवेदनशील और व्यवस्थित क्रियान्वयन पर निर्भर करती है और यह जरूरी भी है। तीन भाषाएं सीखना तभी लाभकारी होगा, जब इसे अंकों व परीक्षाओं के अतिरिक्त बोझ के रूप में न देखा जाए। भाषा को कहानियों, कविताओं, संवाद, नाटक, लोकगीत और दैनिक जीवन के अनुभवों से सिखाया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को भाषा चुनने में पर्याप्त विकल्प मिलें तथा किसी क्षेत्र की भाषाई परिस्थितियों और विद्यालयों के उपलब्ध संसाधनों का भी ध्यान रखा जाए। भाषा सीखने का उद्देश्य संवाद व समझ का विस्तार होना चाहिए, केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं। यह भी समझना जरूरी है कि मातृभाषा को महत्त्व देने का अर्थ अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा के महत्त्व को कम करना नहीं है। आज उच्च शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और वैश्विक रोजगार के क्षेत्र में अंग्रेजी सहित अनेक भाषाओं का ज्ञान उपयोगी है। आवश्यकता किसी एक भाषा को दूसरी भाषा का प्रतिस्पर्धी बनाने की नहीं, बल्कि उनके बीच संतुलन स्थापित करने की है। बच्चे की बुनियादी शिक्षा उस भाषा में मजबूत होनी चाहिए, जिसे वह सहजता से समझता है।मातृभाषा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए केवल नीतिगत घोषणाएं पर्याप्त नहीं होंगी। इसके लिए अच्छी पाठ्यपुस्तकों, प्रशिक्षित शिक्षकों, वैज्ञानिक शब्दावली, डिजिटल सामग्री और स्थानीय भाषाओं में उपयोगी शैक्षणिक संसाधनों का विकास आवश्यक है। साथ ही अभिभावकों को भी यह समझना होगा कि किसी बच्चे की प्रतिभा का मूल्यांकन केवल उसके अंग्रेजी बोलने की क्षमता से नहीं किया जा सकता। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य बच्चे को केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि उसे स्वतंत्र रूप से सोचने, प्रश्न पूछने और आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने योग्य बनाना है।मातृभाषा इस उद्देश्य तक पहुंचने का सबसे सहज मार्ग हो सकती है। अगर विद्यालय बच्चों की अपनी भाषा को सम्मान देते हुए उन्हें अन्य भाषाओं से भी परिचित कराएं, तो शिक्षा अधिक समावेशी, प्रभावी और जीवन से जुड़ी बन सकती है। भाषा जब सीखने की बाधा नहीं, बल्कि ज्ञान तक पहुंचने का पुल बनती है, तभी शिक्षा अपने वास्तविक अर्थ को हासिल करती है।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित बाल वैज्ञानिक अक्टूबर में देंगे जिला स्तरीय प्रस्तुति

कांकेर। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026-27 के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन पीएम श्री शासकीय नरहरदेव उत्कृष्ट विद्यालय, कांकेर में किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में जिले के माध्यमिक विद्यालय, हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के 115 शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के कथानक एवं उपकथानकों की जानकारी प्रदान करना तथा विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं अनुसंधानपरक गतिविधियों से जोड़ना रहा। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। जिला समन्वयक पवन सेन ने बताया कि आगामी जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के मद्देनजर राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के उद्देश्य, प्रधानमंत्री जिनके लोकल फॉर वोकल की अवधारणा एवं इस वर्ष के कथानक सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार विषय को बारीकी से प्रस्तुत किया। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता उपकथानक पर डॉ. आशीष नेताम, सहायक प्राध्यापक, भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर ने जानकारी दी। जल संरक्षण विषय पर अजहर कुरैशी, जिला समन्वयक, जल सेवा चैरिटेबल फाउंडेशन ने मार्गदर्शन किया। खाद्य एवं कृषि विषय पर डॉ. कोमल सिंह, मृदा विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केंद्र ने जानकारी प्रदान की। ऊर्जा संरक्षण पर राजेश सिंह देव, प्राचार्य, हाई स्कूल माकड़ीखुना ने शिक्षकों को संबोधित किया। वहीं अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर प्रमिला साव ने विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रमिला साव ने बाल वैज्ञानिको के तैयारी के लिए प्रोजेक्ट तैयार करते समय भौतिक फाइल, चार्ट, लॉग बुक एवं सर्वे फाइल तैयार करने की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझाया। इससे शिक्षकों को विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट कार्य को व्यवस्थित एवं प्रभावी तरीके से तैयार कराने में सहायता मिलेगी। भारतीय ज्ञान परंपरा उपकथानक पर पवन कुमार सेन ने जानकारी देते हुए भारतीय पारंपरिक ज्ञान, स्थानीय अनुभवों तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से प्रोजेक्ट तैयार करने के संबंध में मार्गदर्शन किया। तकनीकी शिक्षक जी. आर. साहू ने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के ऑनलाइन पंजीयन एवं तकनीकी प्रक्रिया की जानकारी दी तथा शिक्षकों की पंजीयन संबंधी शंकाओं का समाधान किया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे अपने विद्यालयों में विद्यार्थियों को स्थानीय समस्याओं की पहचान, सर्वेक्षण, आंकड़ों के संकलन, वैज्ञानिक विश्लेषण एवं नवाचार आधारित समाधान की दिशा में प्रोत्साहित करें। कार्यशाला के माध्यम से शिक्षकों को राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के प्रोजेक्ट कार्य की प्रक्रिया और विभिन्न उपकथ अवसर मिला। कांकेर। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026-27 के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन पीएमश्री शासकीय नरहरदेव उत्कृष्ट विद्यालय, कांकेर में किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में जिले के माध्यमिक विद्यालय, हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के 115 शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के कथानक एवं उपकथानकों की जानकारी प्रदान करना तथा विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं अनुसंधानपरक गतिविधियों से जोड़ना रहा। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता उपकथानक पर डॉ. आशीष नेताम, सहायक प्राध्यापक, भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर ने जानकारी दी।

टीईटी, पुरानी पेंशन और पदोन्नति की मांग: शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने शिक्षा आयोग अध्यक्ष सुधीर गौतम को सौंपा ज्ञापन

2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता का किया विरोध

बीजापुर। टीईटी की अनिवार्यता, पुरानी पेंशन और पदोन्नति समेत शिक्षकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने राज्य शिक्षा आयोग के अध्यक्ष सुधीर गौतम को ज्ञापन सौंपा। बीजापुर के सामान्य दौरे पर पहुंचे आयोग अध्यक्ष से मोर्चा के पदाधिकारियों ने बीआरसी कार्यालय में मुलाकात की। जिला सह संचालक कैलाश रामटेके के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने पहले उनका पुष्पगुच्छ से स्वागत किया और फिर अपनी मांगें रखीं।

2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों का मुद्दा–मोर्चा ने ज्ञापन में कहा कि शिक्षा का अधिकार कानून वर्ष 2010 में लागू हुआ था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद वर्ष 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को भी टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि कानून लागू होने की तारीख से ही उसका प्रभाव होना चाहिए। पूर्व की नियुक्तियों पर इसे लागू करने से लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के सामने भविष्य को लेकर चिंता की स्थिति बन रही है।

मोर्चा ने इस संबंध में संसद में अध्यादेश लाकर कानून में संशोधन किए जाने की मांग की है। इसके साथ ही प्रथम नियुक्ति तिथि से पुरानी पेंशन देने, सभी प्रशिक्षित शिक्षकों को पदोन्नति का अवसर देने और वेतन विसंगति दूर करने की मांग भी रखी गई।शिक्षकों की मांगों को आयोग अध्यक्ष ने ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने आगामी शिक्षा विभाग की बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा कर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। शिक्षा आयोग शिक्षा और शिक्षकों से जुड़े विषयों पर समय-समय पर सरकार को अपना अभिमत देता है।

शिक्षकों की प्रमुख मांगें

2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता को लेकर पुनर्विचार।*प्रथम नियुक्ति तिथि से पुरानी पेंशन का लाभ।पदोन्नतिः सभी प्रशिक्षित शिक्षकों को पदोन्नति का अवसर।*शिक्षकों की वेतन संबंधी विसंगतियों को दूर करने की मांग।टीईटी से जुड़े प्रावधान में आवश्यक संशोधन की पहल।ये रहे मौजूदमोर्चा पदाधिकारियों में वसीम खान, विजय चापड़ी, पुरुषोत्तम चंद्रकार, अरुण सिंह, राजेश मिश्रा, राजेश यालम, प्रदीप साहनी, रमन झा और आशीष पाण्डेय सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कोण्डागांव पुलिस की जुआरियों पर कार्रवाई, 07 आरोपी गिरफ्तार

कोण्डागांव। पुलिस द्वारा जिले में जुआ-सट्टा जैसी अवैधानिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोण्डागांव एवं साइबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम ने ग्राम केंवटी के जंगल में रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे 07 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जिला कोण्डागांव में पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपील चन्द्रा के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोण्डागांवरूपेश कुमार के नेतृत्व में जुआ खेलने एवं खिलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु थाना कोण्डागांव एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई थी। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम केंवटी के जंगल में कुछ व्यक्ति ताश के 52 पत्तों से रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और जुआ खेल रहे 07 व्यक्तियों को रंगे हाथ पकड़ा। पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे एवं मौके से 7,100 नगद, ताश के 52 पत्ते, 05 मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त 06 दोपहिया वाहन जब्त किए गए। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 2,01,100/- है। आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 की धारा 3 के तहत थाना कोण्डागांव में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

लंदन में दो दशक बिताने के बाद अभिषेक नाखाते ने भारत लौटकर शुरू की 'सॉल्व इंडिया' नागरिक मुहिम, छत्तीसगढ़ बना देश की पहली परीक्षण भूमि

किरंदुल। रायपुर से संचालित एआई आधारित नागरिक मुहिम 'सॉल्व इंडिया' ने अपने शुरुआती घंटों में ही सत्यापित नागरिकों की स्वैच्छिक सहभागिता दर्ज की है, जिसमें लगातार हर 5.6 मिनट में एक नई नागरिक आवाज़ जुड़ रही है। अंतरराष्ट्रीय शिक्षा संस्था 'जूम अबॉड' और एआई कंपनी 'श्रीजेन एआई' के संस्थापक अभिषेक नाखाते ने दो दशकों तक लंदन में काम करने के बाद भारत लौटकर इस खास अभियान की शुरुआत की है। एक पारंपरिक एनआरआई की तरह किसी फैक्ट्री में पूंजी निवेश करने के बजाय, वे देश के नागरिकों के लिए एक ऐसा एआई सिस्टम लेकर आए हैं जो आम जनता की आवाज़ को सही जगह पहुंचाकर उस पर कार्रवाई सुनिश्चित कर सके। यह पूरी पहल छत्तीसगढ़ से अपनी शुरुआत कर रही है, जिससे छत्तीसगढ़ भारत के सबसे बड़े एआई-संचालित नागरिक अभियान की पहली परीक्षण भूमि बन गया है। इस मंच पर छत्तीसगढ़ के 22 अलग-अलग शहरों से व्यापक भागीदारी मिली है, और छत्तीसगढ़ और देश के बाहर से भी लोग जुड़े हैं, जिसमें यूके (लंदन) और विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों से भी इस अभियान को बेहतर प्रतिक्रिया और सहयोग मिल रहा है। इस मंच की सबसे खास बात यह है कि बिना किसी अनिवार्यता के भी 71व नागरिकों ने स्वेच्छा से अपना नाम साझा किया है, जो इस मुहिम के प्रति उनके भरोसे को दिखाता है। जहां दुनिया भर में एआई को नौकरियों और ऑटोमेशन के खतरे के रूप में देखा जा रहा है, वहीं 'सॉल्व इंडिया' इसे समाज में सहानुभूति बढ़ाने और लोगों की समस्याओं को गहराई से सुनने वाले एक सशक्त माध्यम के रूप में पेश कर रहा है। यह पूरी प्रक्रिया किसी जटिल सरकारी फॉर्म या कागजी कार्रवाई के बिना, सीधे एक व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से काम करती है, ताकि हर नागरिक अपनी समस्याओं के व्यावहारिक समाधान सीधे साझा कर सके।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुरू हुए इस अभियान का अगला लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करते हुए पूरे भारत के 10 लाख नागरिकों तक पहुंचना है। संस्थापक अभिषेक नाखाते के अनुसार भारत में समस्याओं की कमी नहीं है, तो समाधान रखने वाले लोगों की भी कमी नहीं है, बस जरूरत इन दोनों को बड़े पैमाने पर आपस में जोड़ने की है। यह पूरी तरह से एक गैर-राजनीतिक और गैर-धार्मिक नागरिक मुहिम है, जिसकी एकमात्र निष्ठा भारत के नागरिकों के प्रति है।

प्रेस क्लब बीजापुर चुनाव के लिए चुनाव चिन्ह का हुआ आबंटन मतदान केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम होंगे

बीजापुर। जिला पत्रकार संघ सह प्रेस क्लब बीजापुर के चुनाव को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं और निर्वाचन प्रक्रिया अब निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है। विभिन्न पदों के लिए कुल 12 नामांकन पत्र जमा हुए थे, जिनमें अध्यक्ष पद के लिए 5, सचिव पद के लिए 4 तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए 3 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था। अध्यक्ष सहित अन्य पदों के उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आबंटित किए गए। निर्वाचन अधिकारी अशोक मिश्रा एवं अयूब खान ने बताया कि मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन 1 अगस्त को किया गया था। दावा-आपत्ति प्रक्रिया के पश्चात संगठन विरोधी गतिविधियों के आरोप में 19 सदस्यों को निष्कासित करते हुए 13 अगस्त को 46 सदस्यों की संशोधित मतदाता सूची जारी की गई थी। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार नामांकन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 19 अगस्त तथा नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त दोपहर 1 बजे तक निर्धारित थी। सभी प्रत्याशियों ने निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने नामांकन पत्र जमा कर दिए थे। नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद नाम वापसी की कार्रवाई संपन्न हुई। नाम वापसी की प्रक्रिया में बी.गौतम राव ने अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष तीनों पदों से अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद अध्यक्ष पद के लिए अब कमलेश पैंकरा, के. संतोष कुमार, गणेश मिश्रा और ईश्वर सोनी चुनावी मैदान में शेष रह गए हैं। वहीं सचिव पद के लिए बसंत मामडीकर, इरशाद खान, आशीष पदमवार, एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए सिरोज विश्वकर्मा और प्रशुन शर्मा अपनी दावेदारी बनाए हुए हैं। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए। अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों में कमलेश पैंकरा को प्रिंटर, गणेश मिश्रा को माइक, ईश्वर सोनी को बल्ब तथा के. संतोष कुमार को कलम चुनाव चिन्ह प्रदान किया गया। वही सचिव पद के उम्मीदवारों में बसंत मामडीकर को खुली किताब आशीष पदमवार को प्रेस पास, तथा इरशाद खान को वीडियो कैमरा चुनाव चिन्ह आबंटित किया गया। कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवारों में सिरोज विश्वकर्मा को मशाल और प्रशुन शर्मा को अखबार चुनाव चिन्ह मिला। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि मतदान 31 अगस्त को संपन्न होगा तथा उसी दिन मतगणना के बाद परिणामों की घोषणा की जाएगी। निर्वाचन अधिकारियों ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग लिया जाएगा। मतदान केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए जाएंगे तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा, ताकि सभी मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

सेवा सुरक्षा एवं पदोन्नति में टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में कुआकोण्डा में निकली न्याय पदयात्रा और रैली

किरंदुल। शिक्षक साझा मंच के अंतर्गत छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक/समग्र शिक्षक फेडरेशन, ब्लॉक इकाई कुआकोण्डा द्वारा ब्लॉक मुख्यालय में न्याय पदयात्रा एवं रैली का आयोजन किया गया। रैली में ब्लॉक के सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी मांगों एवं अधिकारों के समर्थन में आवाज बुलंद की। रैली के पश्चात विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में तहसीलदार तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी को मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं, सेवा सुरक्षा, वेतन विसंगति तथा पदोन्नति में TET की अनिवार्यता सहित शासन के उन निर्णयों का विरोध किया गया, जिन्हें शिक्षक हितों के विरुद्ध माना जा रहा है। यह न्याय पदयात्रा जिला अध्यक्ष सुधीर सिंह चौहान के मार्गदर्शन एवं ब्लॉक अध्यक्ष रमेश प्रताप सिंह के सफल नेतृत्व में आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुधीर सिंह चौहान ने कहा कि शिक्षकों को सेवा सुरक्षा प्रदान करना शासन की जिम्मेदारी है। वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षकों के बीच भय का वातावरण बना हुआ है, जिसे तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की जायज मांगों पर शासन को संवेदनशीलता के साथ विचार करना चाहिए। ब्लॉक अध्यक्ष रमेश प्रताप सिंह ने कहा कि बाद में बनाए गए किसी कानून अथवा नियम को पूर्व से सेवा में कार्यरत शिक्षकों पर लागू करना न्यायसंगत नहीं है।

राहुल गांधी का बयान भारतीय परिवार व्यवस्था और महिला सम्मान की मूल भावना के विपरीत : दीपिका शोरी

सुकमा। राहुल गांधी द्वारा पुणे में महिलाओं को लेकर दिए गए बयान पर छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं अधिवक्ता दीपिका शोरी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर भारतीय परिवार व्यवस्था और रिश्तों को कमजोर करने वाली सोच को बढ़ावा देना उचित नहीं है।दीपिका शोरी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में बेटी, बहन, पत्नी और मां होना किसी महिला की कमजोरी नहीं, बल्कि उसके सम्मान और सामाजिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है। महिला की स्वतंत्रता और उसके अधिकारों का समर्थन होना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर परिवार और रिश्तों को महिला के विरुद्ध खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने महिलाओं को पिता, पति और पुत्र से अलग पहचान देने की बात कही है। महिला की अपनी पहचान और अधिकारों पर किसी को आपत्ति नहीं हो सकती, लेकिन महिला की स्वतंत्रता का अर्थ परिवार से दूरी या पारिवारिक रिश्तों को नकारना नहीं हो सकता। भारतीय समाज की सबसे बड़ी ताकत ही परिवार, संस्कार और आपसी सम्मान की भावना है। दीपिका शोरी ने कहा कि यदि महिलाओं के सम्मान की बात करनी है तो राजनीति से ऊपर उठकर महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार, समान अवसर और न्याय के मुद्दों पर ठोस काम होना चाहिए। केवल राजनीतिक मंचों से परिवार और सामाजिक व्यवस्था पर टिप्पणी करने से महिला सशक्तिकरण नहीं होगा। उन्होंने राहुल गांधी से सवाल करते हुए कहा कि क्या भारतीय नारी की स्वतंत्र पहचान स्थापित करने के लिए उसके पारिवारिक रिश्तों को ही कटघरे में खड़ा करना जरूरी है? देश की महिलाएं अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभा रही हैं। दीपिका शोरी ने कहा कि महिला को परिवार से लड़ने की राजनीति नहीं, बल्कि परिवार और समाज में महिला को बराबरी और सम्मान दिलाने की राजनीति होनी चाहिए। भारतीय नारी को किसी राजनीतिक विचारधारा के चश्मे से देखने के बजाय उसके सामर्थ्य, सम्मान और स्वाभिमान को केंद्र में रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के नाम पर राजनीति करने वालों को यह समझना होगा कि भारतीय महिला कमजोर नहीं है; वह अपने अधिकारों के प्रति जागरूक भी है और अपने परिवार एवं समाज की मजबूत आधारशिला भी है।

कोण्डागांव में शिक्षकों की हुंकार, रैली निकाल मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मांगें पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन और अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

कोण्डागांव – छत्तीसगढ़ शिक्षक साझा मंच के प्रांतीय आह्वान पर शनिवार को कोण्डागांव ब्लॉक मुख्यालय स्थित डीएनके ग्राउंड में शिक्षकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं प्रदर्शन में शामिल हुए और अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन के बाद शिक्षकों ने डीएनके ग्राउंड से रैली निकाली, जो एसडीएम कार्यालय पहुंची। यहां डिप्टी कलेक्टर के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की गई। इसी क्रम में जिले के अन्य विकासखंडों केशकाल, माकड़ी, बड़ेराजपुर एवं फरसगांव में भी शिक्षकों द्वारा रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा गया।

तीन प्रमुख मांगों को लेकर आंदोलन–शिक्षक साझा मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि शासन के समक्ष मुख्य रूप से तीन मांगें रखी गई हैं। इनमें टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने, शिक्षकों के हित में वेतन विसंगति का निराकरण करने तथा प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना किए जाने की मांग शामिल है। शिक्षकों का कहना है कि लंबे समय से वेतन विसंगति का मुद्दा लंबित है। उन्होंने शासन से पूर्व में किए गए वादे के अनुरूप सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने की मांग की। साथ ही वरिष्ठता एवं अन्य सेवा लाभों की गणना प्रथम नियुक्ति तिथि से किए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। मांगें नहीं मानी तो उग्र आंदोलन की चेतावनी- धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए साझा मंच के प्रांतीय एवं जिला पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान आंदोलन सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने के लिए सांकेतिक रूप से किया गया है। यदि शासन स्तर पर मांगों पर शीघ्र सहानुभूतिपूर्वक विचार कर ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो आने वाले दिनों में शिक्षक प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन तथा अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होंगे। इसकी जिम्मेदारी शासन की होगी।

सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाएं हुए शामिल–प्रदर्शन में ब्लॉक अध्यक्ष उपेंद्र कुमार कोमा, सचिव चिमनलाल माहला, ब्लॉक पदाधिकारी जैलू राम मरकाम, भूषण प्रसाद जाहिरे, दयाराम नेताम, भरत लाल नागवंशी, हेमलता झा, पूनम तिवारी, रामेश्वरी बघेल, जलन पटेल, राजूराम ठाकुर, विद्या पटेल, रामानंद मंडावी, सुकालूराम मंडावी, शनिदेव ध्रुव, रमेश अनंत, दौलत राम मेश्राम, देवकरण साहू, मनहरण सिंह गोयल, हरीश देवांगन, अर्चना पाटले एवं गंगाराम उसेंडी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रांतीय प्रवक्ता नेमी सिन्हा, जिला अध्यक्ष मदन राठौर, जिला सचिव गुलेंद्र कुमार पटेल, जिला कोषाध्यक्ष रामू राम सिन्हा एवं जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष दीपिका मसराम सहित कोंडागांव ब्लॉक इकाई के सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने आंदोलन में सहभागिता की।

संक्षिप्त समाचार

सफलता की कहानी-महतारी वंदन की 30वीं किस्त बनी रक्षाबंधन का उपहार

बिलासपुर। शहर की रहने वाली ममता यादव महतारी वंदन योजना की लाभार्थी हैं। रक्षाबंधन पर्व से ठीक पहले योजना की 30वीं किस्त की राशि प्राप्त होने से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। त्योहार के पहले आर्थिक सहायता मिलने से ममता यादव के लिए इस बार का रक्षाबंधन और भी खास बन गया है। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से नियमित रूप से मिलने वाली आर्थिक सहायता महिलाओं को अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ परिवार की छोटी-बड़ी आवश्यकताओं में सहयोग करने का अवसर देती है। ममता यादव ने बताया कि रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के स्नेह और प्रेम का प्रतीक है। ऐसे में त्योहार से पहले महतारी वंदन योजना की किस्त मिलना उनके लिए किसी खुशी के उपहार से कम नहीं है। राशि मिलने से वह रक्षाबंधन की तैयारियां बेहतर तरीके से कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि त्योहार के पहले आर्थिक मदद मिलने से परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सहूलियत होती है और त्योहार की खुशियां भी बढ़ जाती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ''विष्णु भैया ने हमें रक्षाबंधन के पहले ही उपहार दे दिया।'' उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को मिलने वाली सहायता राशि से उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है। नियमित किस्त मिलने से महिलाएं अपनी जरूरत के अनुसार राशि का उपयोग कर पा रही हैं और परिवार के लिए भी आर्थिक सहयोग दे रही हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, बिलासपुर जिला द्वारा वर्कशॉप का आयोजन

बिलासपुर । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, बिलासपुर जिला द्वारा 23 अगस्त 2026 को SECR MHS स्कूल नंबर-02 (प्राइमरी सेक्शन-ङ), बिलासपुर में स्काउटर्स एवं गाइडर्स के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। वर्कशॉप में 86 सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान Vision Statement w®xy, OYMS एवं बुनियादी नियम, Advancement Scheme सहित संगठन की गतिविधियों एवं प्रभावी कार्यप्रणाली से संबंधित विषयों पर जानकारीपूर्ण एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य मुख्यालय के निर्देशानुसार सभी ग्रुप्स के सदस्यों का MY Bharat पोर्टल पर 100 प्रतिशत पंजीयन भी सुनिश्चित किया गया। वर्कशॉप का उद्देश्य स्काउटिंग एवं गाइडिंग गतिविधियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, संगठनात्मक समन्वय एवं क्षमता निर्माण को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, बिलासपुर श्री अनुराग कुमार सिंह तथा जिला आयुक्त (गाइड) श्रीमती नेहा सिंह के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में तथा जिला पदाधिकारियों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

राखी पर बहनों के सपनों को मिली उड़ान, विष्णु भैया की सरकार में स्वरोजगार का सम्मान

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। सरकार की इसी सोच को सेमरताल की ग्रामीण महिलाएं अपनी मेहनत और हौसले से नई पहचान दे रही हैं। मछली पालन को आजीविका का माध्यम बनाकर 100 ग्रामीण महिलाओं एवं उनके परिवारों ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया है। जनपद पंचायत बिल्हा के सेमरताल में ज्ञान सुधा संकुल संगठन के आईएफ्सी एवं आजीविका सेवा केंद्र द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के तहत 100 हितग्राहियों को मछली पालन से जोड़ने के लिए प्रत्येक हितग्राही को 1000 फिंगरलिंग मछली बीज उपलब्ध कराया गया। मत्स्य विभाग द्वारा कुल 150 पैकेट फिंगरलिंग मछली बीज उपलब्ध कराया गया।

बालिकाओं की शिक्षा, नवाचार और नशामुक्ति के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा समाज:अमर अग्रवाल

बिलासपुर। नगर विधायक श्री अमर अग्रवाल ने शनिवार को अपने विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर विद्यार्थियों एवं नागरिकों से संवाद किया। उन्होंने दयालबंद स्थित स्वामी आत्मानंद महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। इसके पश्चात गुजराती समाज भवन, टिकरापारा में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में शामिल होकर उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया। सेजेस महारानी लक्ष्मीबाई कन्या शाला में आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत बालिकाओं ने मुख्य अतिथि श्री अमर अग्रवाल से संवाद किया। उन्होंने कहा कि माता-पिता और गुरुजनों से मिली प्रेरणा जीवन में सफलता का मूल मंत्र है। जो बच्चे अपने माता-पिता, परिवार और गुरुजनों के मार्गदर्शन में सीखने की प्रक्रिया में आगे बढ़ते हैं, वे किसी भी लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की सुरक्षा के लिए विशेष नीति-नियम प्रधानमंत्री, केंद्र और राज्य की सरकार ने बनाए हैं। बेटी बचाओ आंदोलन से समाज की सोच में बदलाव आया है, हर क्षेत्र में बालिकाएं निर्णायक भूमिका में आगे बढ़ रही हैं। बच्चों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि बिलासपुर की जनता से मिला आशीर्वाद, प्रेम और स्नेह जीवन का टर्निंग पॉइंट है। बच्चों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन पर्यंत सीखते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर हर व्यक्ति राष्ट्र निर्माण में अविस्मरणीय योगदान दे सकता है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि श्री अमर अग्रवाल ने एमएलबी महारानी लक्ष्मी बाई सेजेस कन्या शाला की बालिकाओं की छात्र कैबिनेट को शपथ

दिलाते हुए विद्यालय के रखरखाव और संचालन में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सभाजनों ने नशामुक्ति का संकल्प लिया। इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित बिल्हा विकासखंड की दो छात्राओं कुमारी रेणुका धनुआर एवं कुमारी तृषा कमलेश का सम्मान मुख्य अतिथि श्री अमर अग्रवाल के हाथों किया गया। विकासखंड शिक्षा विभाग की ओर से दोनों छात्राओं को ?5-?5 हजार की नगद प्रोत्साहन राशि एवं मोमेंटो भेंट किया गया। उल्लेखनीय है कि सत्र 2024-25 में छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित 20 विद्यार्थियों में बिल्हा विकासखंड की दो छात्राएं शामिल हैं। देवरी खुर्द की कुमारी रेणुका धनुआर ने वॉल माउंट स्पिट डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम मॉडल तैयार किया है, जो सार्वजनिक स्थानों पर थूकने की स्थिति का पता लगाकर अलार्म के माध्यम से सचेत करता है। यह मॉडल स्वच्छता अभियान में उपयोगी साबित हो सकता है। वहीं बिजौर की कुमारी तृषा कमलेश ने वेदर गार्ड स्मार्ट बैग बनाया है। सेंसर आधारित इस बैग में नमी या बारिश का संकेत मिलते ही जुड़ा हुआ छाता स्वत: खुल जाता है, जिससे किताबों एवं अन्य सामग्री को बारिश से बचाया जा सकता है। दोनों छात्राएं 4 सितंबर को रायपुर में राज्य स्तरीय मेंटरशिप प्रशिक्षण में अपने मॉडल प्रस्तुत करेंगी, जहां विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से इन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता के अनुरूप और बेहतर बनाया जाएगा।

भेष बदल कर गांजे की तस्करी करते दो आरोपी आरपीएफ के हत्थे चढ़े.....

■ निगौरा स्टेशन पर 15.540 किलोग्राम गांजा जब्त, कीमत करीब 7.77 लाख रुपये

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन 'नारकोस' के तहत बड़ी कार्रवाई की गई। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री सौरव कुमार के नेतृत्व में गठित टास्क टीम ने निगौरा रेलवे स्टेशन पर भेष बदल कर गांजे की तस्करी कर रहे दो आरोपियों को पकड़ा। आरोपियों के कब्जे से कुल 15.540 किलोग्राम गांजा (जिसकी अनुमानित कीमत करीब 7.77 लाख रुपये है) बरामद किया गया। दिनांक 24 अगस्त 2026 की रात करीब 1:15 बजे सहायक उप निरीक्षक अमरेंद्र सिंह के नेतृत्व में आरपीएफ टास्क टीम द्वारा निगौरा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में संदिग्ध व्यक्तियों एवं सामान की जांच की जा रही थी। इसी दौरान भेष बदले हुए दो व्यक्तियों की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर उन्हें रोककर पूछताछ की गई। उनके पास रखी कपड़ों की पोटलियों की तलाशी लेने पर बड़ी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपियों की पहचान हंसा नाथ (40 वर्ष), निवासी जिला संगरूर, पंजाब तथा मनता नाथ उर्फलंबू (39 वर्ष), निवासी जिला संगरूर, पंजाब के रूप में हुई। तलाशी के दौरान हंसा नाथ के कब्जे से 7.280 किलोग्राम तथा मनता नाथ के कब्जे से 8.260 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। आरपीएफ द्वारा दोनों आरोपियों को बरामद गांजे सहित पुलिस थाना जैतहरी के सुपुर्द किया गया। पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 285/2026, धारा 8/20(ख) NDPS Act के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम जांच की जा रही है। वर्ष 2026 में 550 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त – नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध बिलासपुर मंडल आरपीएफ द्वारा वर्ष 2026 में लगातार सघन एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

बिलासपुर मंडल में पेंशनर समाधान शिविर-2026 का सफल आयोजन

■ सेवानिवृत्त रेलकर्मियों एवं पारिवारिक पेंशनधारकों के सभी 20 मामलों का किया गया त्वरित निराकरण

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के कार्मिक विभाग द्वारा सेवानिवृत्त रेलकर्मियों एवं पारिवारिक पेंशनधारकों की पेंशन एवं सेवानिवृत्ति उपरांत देय लाभों से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से पेंशनर समाधान शिविर-2026 का आयोजन आज दिनांक 24 अगस्त 2026 को प्रात: 10:30 बजे से वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी कार्यालय, बिलासपुर के सभा कक्ष में किया गया। शिविर का उद्देश्य सेवानिवृत्त रेलकर्मियों एवं पारिवारिक पेंशनधारकों को पेंशन, सेवानिवृत्ति उपरांत देय भुगतान तथा अन्य संबंधित मामलों के निराकरण के लिए एक प्रभावी एवं सुविधाजनक मंच उपलब्ध कराना था। शिविर में सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पारिवारिक पेंशनधारकों से कुल 20 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त सभी आवेदनों की मंडल कार्मिक अधिकारी श्री यू. शिव शंकर राव एवं सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी श्री भास्कर गुहा सहित कार्मिक एवं वित्त विभाग के पर्यवेक्षकों द्वारा गहन समीक्षा की गई। प्रत्येक प्रकरण में संबंधित अभिलेखों एवं दस्तावेजों की जांच करते हुए आवश्यक विभागीय प्रक्रिया पूरी की गई तथा रेलवे नियमों एवं निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप सभी 20 मामलों का शिविर के दौरान ही त्वरित निराकरण किया गया। इस प्रकार शिविर में प्राप्त सभी प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया गया।शिविर के आयोजन से सेवानिवृत्त रेलकर्मियों एवं पारिवारिक पेंशनधारकों को संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखने और उनका समाधान प्राप्त करने की सुविधा मिली।

कांग्रेसी नेता को जान से मारने की सुपारी देने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। तारबाहर थाना क्षेत्र में कांग्रेसी नेता को जान से मारने की कथित साजिश और सुपारी देने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी नवीन पटेल को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों में से एक को हत्या के लिए पैसे उपलब्ध कराए थे। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। मामला 4 जुलाई 2026 का है। प्रार्थी शिशिर कश्यप ने तारबाहर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि सुबह करीब 7 बजे अपनी बेटी को स्कूल छोड़कर लौटने के दौरान उसके पिता ने फोन कर बताया कि सुबह करीब 6:45 बजे मॉर्निंग वॉक के दौरान रेलवे अस्पताल के पास तीन अज्ञात लोगों ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था और उनके हाथ में डंडे व नुकीली वस्तुएं थीं। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मारपीट की। रिपोर्ट पर तारबाहर थाने में अपराध क्रमांक 221/2026 के तहत धारा 296, 351(3), 115(2), 3(5), 61(2), 109 एवं 55 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर तारबाहर पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। विवेचना के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल की पहचान की गई और संदिग्धों के संबंध में साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने पहले नितिन टेकाम, साहिल सोनकर और एक विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा था।

बालाजी गैस एजेंसी में बड़ी कार्रवाई हुई, 412 भरे सिलेंडर कम मिले-मौके पर मिले 939 सिलेंडर जब्त

■ कलेक्टर के निर्देश पर संयुक्त जांच टीम की छापामार कार्रवाई उपभोक्ताओं के भी दर्ज किए बयान

बिलासपुर। बालाजी गैस एजेंसी के मगरपारा स्थित कार्यालय एवं महाराणा चौक स्थित गैस गोदाम में आज जिला प्रशासन की संयुक्त जांच टीम ने छापामार शैली में कार्रवाई करते हुए कुल 939 गैस सिलेंडर जब्त किए। इनमें 452 भरे और 487 खाली सिलेंडर शामिल हैं। जांच के दौरान ऑनलाइन दर्ज स्टॉक और मौके पर उपलब्ध वास्तविक स्टॉक में बड़ी विसंगति सामने आई। ऑनलाइन रिकॉर्ड के अनुसार 864 भरे सिलेंडर होने थे, जबकि मौके पर केवल 452 भरे सिलेंडर मिले। इस तरह 412 भरे गैस सिलेंडर कम पाए गए। बालाजी गैस एजेंसी के विरुद्ध उपभोक्ताओं से लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल ने राजस्व, खाद्य विभाग और आईओसीएल की संयुक्त जांच टीम गठित कर एजेंसी के स्टॉक और शिकायतों की जांच के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देश पर टीम ने आज दोनों परिसरों में औचक जांच की और मौके पर ही स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया। जांच के दौरान घरेलू एवं व्यावसायिक श्रेणी के गैस सिलेंडरों के ऑनलाइन स्टॉक का मौके पर उपलब्ध सिलेंडरों से मिलान किया गया। ऑनलाइन रिकॉर्ड में कुल 864 भरे सिलेंडर प्रदर्शित थे, जबकि भौतिक सत्यापन में 452 भरे सिलेंडर ही उपलब्ध पाए गए। इस प्रकार 412 भरे सिलेंडर कम मिले। वहीं रिकॉर्ड में 473 खाली सिलेंडर दर्ज थे, जबकि मौके पर 487 खाली सिलेंडर पाए गए, जो रिकॉर्ड से 14 अधिक हैं। स्टॉक में पाई गई इस गंभीर विसंगति के बाद जांच टीम ने मौके पर उपलब्ध 452 भरे एवं 487 खाली, कुल 939 सिलेंडरों को जब्त कर लिया। जांच दल द्वारा एजेंसी के संबंधित दस्तावेजों एवं स्टॉक का परीक्षण भी किया गया।जांच के दौरान मौके पर उपस्थित उपभोक्ताओं से भी एजेंसी की सेवाओं के संबंध में जानकारी ली गई तथा उनके कथन दर्ज किए गए। एजेंसी के विरुद्ध बुकिंग के बाद भी सिलेंडर नहीं मिलने, ऑनलाइन डिलीवरी प्रदर्शित होने के बावजूद वास्तविक रूप से सिलेंडर प्राप्त नहीं होने जैसी शिकायतें प्राप्त हुई थीं। कॉल सेंटर एवं सीएम हेल्पलाइन 1076 में भी एजेंसी के विरुद्ध शिकायतें दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।

बिलासपुर जिला के विकास के लिए अब चुप नहीं बैठेंगे, जरूरत पड़ी तो हक की लड़ाई सड़क पर लड़ेंगे-प्रवीण झा

बिलासपुर। बिलासपुर प्रेस क्लब के परंपरागत एवं प्रतिष्ठित कार्यक्रम हमर पहुना में सोमवार को उद्योगपति एवं समाजसेवी प्रवीण झा अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने पत्रकारों से संवाद करते हुए अपने जीवन संघर्ष, उद्योग, समाजसेवा, धर्म, युवाओं और बिलासपुर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी।प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने हमर पहुना के अतिथि प्रवीण झा का शाल श्रीफल भेंट कर स्वागत किया और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अभाव से शुरू हुआ जीवन अपने जीवन संघर्ष को याद करते हुए प्रवीण झा ने कहा कि उनका बचपन बिहार के एक छोटे से गांव मुरलियाचक मधुबनी में आर्थिक अभाव के बीच बीता। किताबें और कपड़े तक मांगकर इस्तेमाल करने पड़ते थे। दसवीं के बाद शहर आने पर पहली बार बिजली देखी। स्कूल जाने के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और बरसात में नदी-नाले पार करके पढ़ाई के लिए जाना पड़ता था। उन्होंने कहा कि संघर्ष हर सफल व्यक्ति के जीवन का हिस्सा होता है। ईश्वर पहले परीक्षा लेता है और जो उस परीक्षा में सफल होता है, उसे आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। एक हजार रुपये वेतन से शुरू किया सफर- प्रवीण झा ने बताया कि वर्ष 1993 में वे छत्तीसगढ़ आए और जिंदल स्टील्स में करीब एक हजार रुपये मासिक वेतन पर नौकरी शुरू की। बिलासपुर आने के समय उनके पास साइकिल तक नहीं थी। रेलवे स्टेशन से चार रुपये प्रतिदिन किराए पर साइकिल लेकर वे शहर में अपना काम करते थे। उन्होंने कहा कि नौकरी के शुरुआती दौर में ही उन्होंने तय कर लिया था कि लंबे समय तक नौकरी नहीं करेंगे, बल्कि ऐसा काम करेंगे जिससे दूसरे लोगों को रोजगार मिल सके। इसके बाद उद्योग के क्षेत्र में कदम रखा और धीरे-धीरे आगे

बढ़ते गए। उद्योग के साथ गांव और पर्यावरण की चिंता जरूरी- उद्योगों से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी भी उद्योग की स्थापना केवल मुनाफे के लिए नहीं होनी चाहिए। जिस गांव में उद्योग स्थापित होता है, वहां के लोगों, उनके स्वास्थ्य और पर्यावरण की जिम्मेदारी भी उद्योग संचालक की होती है। उन्होंने कहा कि उद्योग ऐसा होना चाहिए जिससे रोजगार के अवसर पैदा हों और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे। स्थानीय लोगों का विश्वास और सहयोग उद्योग के लिए बेहद जरूरी है। एयरपोर्ट को बताया बिलासपुर के विकास की पहली प्राथमिकता- बिलासपुर के विकास को लेकर अपने विजन पर श्री झा ने कहा कि शहर के विकास के लिए सबसे पहली प्राथमिकता एयरपोर्ट की सुविधा और उसका विस्तार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेहतर हवाई कनेक्टिविटी से उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से विकास होगा। उन्होंने कहा कि बिलासपुर में विकास हुआ है, लेकिन रायपुर की तुलना में विकास की गति अपेक्षित नहीं रही। वर्तमान समय में बिलासपुर के पास विकास का बड़ा अवसर है और यदि अब भी शहर के लोग चुप रहे तो आने वाले वर्षों में अपेक्षित बदलाव मुश्किल होगा। बिलासपुर शांत है, कमजोर नहीं- बिलासपुर के विकास में कमी के कारणों पर उन्होंने कहा कि इसका एक कारण जनता का शांत स्वभाव भी है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर के लोग मिल-जुलकर रहने वाले और शांतिप्रिय हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वे अपने अधिकारों के लिए आवाज नहीं उठा सकते। उन्होंने कहा, अब वह दिन दूर नहीं जब हम अपने हक की लड़ाई के लिए सड़क पर आएंगे। चाहे किसी भी सरकार की बात हो, हम अपना हक लेकर रहेंगे। समाज से लिया है तो समाज को देना भी होगा- समाजसेवा को लेकर प्रवीण झा ने कहा कि मनुष्य समाज से बहुत कुछ लेता है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर चाकू से हमला,तारबाहर पुलिस ने आरोपी को कुछ घंटों में दबोचा

बिलासपुर। तारबाहर थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर युवक से मारपीट कर चाकू से हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी संतोष ध्रुव ने तारबाहर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने घर के बाहर मौजूद था। इसी दौरान मोहल्ले का अनिकेश साहू उर्फ निक्की उर्फ बाला (24 वर्ष) वहां पहुंचा और शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने लगा। प्रार्थी द्वारा पैसे देने से मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए हाथ में रखे धारदार चाकू से उस पर हमला कर दिया। रिपोर्ट पर तारबाहर थाने में अपराध क्रमांक 298/2026 के तहत धारा 119(1), 296, 351(3), 115(2) बीएनएस एवं धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद आरोपी की तत्काल पतासाजी के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर पंकज कुमार पटेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक सिटी कोतवाली गगन कुमार के मार्गदर्शन में तारबाहर पुलिस की टीम आरोपी की तलाश में जुट गई। पतासाजी के दौरान पुलिस टीम को आरोपी के संबंध में जानकारी मिली। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगा, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

घर के मेन गेट पर लगाएं पौधे

वास्तु में माना जाता है शुभ

वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार को खास जगह माना गया है। माना जाता है कि घर में आने वाली सकारात्मकता पर मुख्य द्वार का असर पड़ता है। मुख्य द्वार के पास कुछ खास पौधे लगाना शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं ऐसे 4 पौधों के बारे में।

तुलसी का पौधा

तुलसी को घर के लिए शुभ+ पौधा माना जाता है। वास्तु मान्यता के अनुसार, इसे मुख्य द्वार के पास रखने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। तुलसी के लिए उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा को अच्छा माना जाता है। इसके आसपास साफ-सफाई रखना भी जरूरी है।

शमी का पौधा

शमी का पौधा भी घर के लिए शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता में इसका संबंध शनि देव और भगवान शिव से बताया गया है। इसे घर के मुख्य द्वार के पास रखा जा सकता है। पौधे की नियमित देखभाल करने से यह हरा-भरा बना रहता है।

मनी प्लांट

मनी प्लांट को घर की खुशहाली और धन से जोड़कर देखा जाता है। वास्तु के अनुसार, इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। मुख्य द्वार के पास इसे साफ जगह पर रखें और इसकी बेल को सही तरीके से सहारा दें।

जेड प्लांट

जेड प्लांट देखने में सुंदर होने के साथ घर की सजावट के लिए भी अच्छा विकल्प है। वास्तु मान्यता के अनुसार, इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। इसे मुख्य द्वार के पास ऐसी जगह रखें, जहां इसे पर्याप्त रोशनी मिल सके।

पौधों को लेकर इन बातों का रखें ध्यान

पौधों के आसपास हमेशा सफाई रखें। सूखा या मुरझाया पौधा समय पर हटा दें। पौधे की जरूरत के अनुसार पानी दें। मुख्य द्वार के पास कांटेदार पौधे लगाने से बचें।

पौधों को ऐसी जगह रखें, जहां उन्हें सही रोशनी और हवा मिल सके।

त्योहारों में ऑयली स्किन को रखें चमकदार

त्योहारों का मौसम आते ही हर कोई खूबसूरत और ग्लोइंग स्किन पाना चाहता है। लेकिन ऑयली स्किन वालों के लिए फेस्टिव सीजन में त्वचा की देखभाल थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ज्यादा तेल, पसीना, धूल-मिट्टी और लगातार मेकअप करने से चेहरे पर चिपचिपापन, बंद पोर्स, पिंपल्स और ब्लैकहेड्स की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में त्योहार से पहले और त्योहार के दौरान सही स्किनकेयर रूटीन अपनाना जरूरी है। ऑयली स्किन को भी बिना ज्यादा प्रोडक्ट्स के फ्रेश और ग्लोइंग रखा जा सकता है। इसके लिए चेहरे को जरूरत से ज्यादा धोने के बजाय माइल्ड क्लींजर, हल्का मॉइस्चराइजर और ऑयली स्किन के लिए उपयुक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल किया जा सकता है। मेकअप करने से पहले त्वचा को अच्छी तरह तैयार करना भी जरूरी है। अगर आप त्योहारों में बिना चिपचिपेपन के हेल्दी ग्लो चाहती हैं, तो कुछ आसान स्किनकेयर टिप्स आपकी काफी मदद कर सकते हैं। ऑयली स्किन के लिए फेस्टिव स्किनकेयर रूटीन

■ माइल्ड क्लींजर से चेहरा साफ करें

सुबह और रात चेहरे को जेंटल क्लींजर से साफ करें। बहुत ज्यादा चेहरा धोने से त्वचा में जलन या ड्राईनेस हो सकती है।

■ हल्का मॉइस्चराइजर लगाएं

ऑयली स्किन को भी मॉइस्चराइजर की जरूरत होती है। हल्का, नॉन-कॉमेडोजेनिक मॉइस्चराइजर चुनना बेहतर विकल्प हो सकता है।

■ सनस्क्रीन न भूलें

दिन में बाहर निकलने पर ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन लगाएं।
ऑयली स्किन के लिए हल्का या जेल-बेस्ड फॉर्मूला आरामदायक लग सकता है।

■ मेकअप से पहले स्किन प्रेप करें

फेस्टिव मेकअप से पहले चेहरे को साफ करके मॉइस्चराइज करें। जरूरत हो तो मेकअप के लिए उपयुक्त प्राइमर का इस्तेमाल करें।

■ बहुत ज्यादा लेयरिंग से बचें

एक साथ कई सीरम, क्रीम और एक्टिव प्रोडक्ट लगाने से बचें। त्योहार से ठीक पहले नया या तेज एक्टिव वाला प्रोडक्ट ट्राई करना भी सही नहीं है।

■ मेकअप अच्छी तरह हटाएं

त्योहार की रात कितनी भी थकान हो, मेकअप हटाकर ही सोएं। इसके बाद चेहरे को साफ करके अपनी सामान्य स्किनकेयर रूटीन अपनाएं।

■ चेहरे को बार-बार न छुएं

गंदे हाथों से चेहरे को छूने की आदत से बचें। इससे चेहरे पर गंदगी और बैक्टीरिया पहुंच सकते हैं।

रोजाना सेब का जूस पीने के फायदे

दिल की सेहत के लिए: सेब के जूस में फ्लेवोनोइड्स और पॉलीफेनॉल्स जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। यह बैड कोलेस्ट्रॉल के ऑक्सीकरण को रोकते हैं, जिससे धमनियों में रुकावट नहीं आती और दिल हेल्दी रहता है।

त्वचा में निखार और चमक: विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने के कारण यह फ्री रेडिकल्स से लड़ता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे कम होते हैं, झुर्रियां देर से आती हैं और त्वचा मे प्राकृतिक चमक बनी रहती है।

इम्युनिटी मजबूत बनाए: इसमें मौजूद विटामिन सी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। नियमित रूप से जूस पीने से मौसम बदलने पर होने वाले संक्रमण, सर्दी-जुकाम और थकान से छुटकारा मिलता है।

पाचन और हाइड्रेशन में मददगार: सेब के जूस में लगभग 88% पानी होता है, जो शरीर को दिनभर हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद मैलिक एसिड पाचन क्रिया को सुचारू रखता है।

दिमाग की कार्यक्षमता में सुधार: कुछ शोधों के अनुसार, सेब का जूस मस्तिष्क में एसिटाइलकोलाइन नामक न्यूरोट्रांसमीटर के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है, जिससे याददाश्त बेहतर होती है और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली भूलने की समस्या में राहत मिलती है।

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि वालों के लिए आज का दिन मेहनत और धैर्य से आगे बढ़ने का रहेगा। नौकरी में किसी महत्वपूर्ण काम की जिम्मेदारी मिल सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करते समय अपनी बात सोच-समझकर रखें। व्यापार में पुराने संपर्कों से लाभ मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अचानक खर्च सामने आ सकता है। परिवार में किसी सदस्य की मदद करनी पड़ सकती है। प्रेम जीवन में साथी की भावनाओं को समझने की कोशिश करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में नियमितता बनाए रखनी चाहिए।

वृषभ राशि - आज करियर के लिहाज से दिन अच्छा रह सकता है। नौकरी में आपके काम की तारीफ हो सकती है और कोई नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। व्यापारियों को पुराने सौदे से लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए बचत पर ध्यान दें। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ सकती हैं। पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन सकारात्मक रहेगा।

मिथुन राशि - आज का दिन नई उम्मीदों और नए अवसरों की शुरुआत का संकेत दे रहा है। रास्ते में कुछ चुनौतियां जरूर आएंगी, लेकिन आपकी बुद्धिमानी और सकारात्मक सोच उन्हें आसानी से पार करा देगी। विद्यार्थी नई चीजें सीखने और अपने कौशल को निखारने के लिए उत्साहित रहेंगे। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपके बहुत काम आएगी।

कर्क राशि - आज काम का दबाव थोड़ा अधिक रह सकता है। नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन मेहनत के बाद अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। व्यापार में किसी बड़े फैसले को लेकर जल्दबाजी न करें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी, मगर घरेलू खर्च बढ़ सकता है। परिवार में किसी बात को लेकर तनाव हो तो शांत रहकर बातचीत करें। प्रेम जीवन में भावनात्मक उतार-चढ़ाव हो सकता है। स्वास्थ्य के लिए आराम और खानपान का ध्यान रखें।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन करियर में आगे बढ़ने के अवसर लेकर आ सकता है। नौकरी में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। व्यापार में कोई लाभदायक सौदा मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं और रुका हुआ धन भी प्राप्त हो सकता है। परिवार में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। प्रेम जीवन में साथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे। विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है।

कन्या राशि - आज आपकी योजनाबद्ध कार्यशैली आपको सफलता दिला सकती है। नौकरी में रुका हुआ काम पूरा होगा और वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से संतुष्ट हो सकते हैं। व्यापार में नए संपर्क भविष्य में लाभदायक रहेंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार में कोई शुभ समाचार मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ रिश्ते मधुर रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है।

तुला राशि- तुला राशि वालों के लिए आज साझेदारी और संपर्कों से लाभ मिलने के योग हैं। नौकरी में सहयोगियों की मदद से कोई महत्वपूर्ण काम पूरा हो सकता है। व्यापार में नई डील पर बातचीत आगे बढ़ सकती है। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी, लेकिन बिना जानकारी के निवेश करने से बचें। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। प्रेम जीवन में रिश्ते मजबूत होंगे। विद्यार्थियों को समय का सही उपयोग करना चाहिए।

वृश्चिक राशि - चंद्रमा आपकी राशि में होने के कारण आज आपका आत्मविश्वास और भावनात्मक सक्रियता बढ़ सकती है। नौकरी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है और आपकी मेहनत की पहचान होगी। व्यापार में नए अवसर सामने आ सकते हैं, लेकिन किसी भी सौदे को अंतिम रूप देने से पहले पूरी जानकारी लें। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार में आपका प्रभाव बढ़ेगा।

धनु राशि- धनु राशि वालों के लिए आज का दिन सकारात्मक रह सकता है। नौकरी में पुराने प्रयासों का परिणाम मिल सकता है। व्यापारियों को नए ग्राहक या नए काम मिलने के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन जोखिम वाले निवेश से बचना बेहतर रहेगा। परिवार में धार्मिक या शुभ कार्यक्रम की चर्चा हो सकती है। प्रेम जीवन में साथी का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा या प्रतियोगी परीक्षा से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है।

मकर राशि - आज आपको धैर्य और अनुशासन के साथ आगे बढ़ना होगा। कार्यक्षेत्र में कोई काम उम्मीद से अधिक समय ले सकता है। व्यापार में सामान्य लाभ रहेगा। आर्थिक मामलों में बजट बनाकर चलना आपके लिए फायदेमंद होगा। परिवार में किसी सदस्य की जरूरत को प्राथमिकता देनी पड़ सकती है। दांपत्य जीवन में सहयोग बना रहेगा। प्रेम संबंधों में स्थिरता रहेगी। स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद लेना जरूरी है।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों के लिए आज नई योजनाओं पर काम करने का दिन है। नौकरी में नई जिम्मेदारी या भूमिका मिल सकती है। व्यापारियों को नए बाजार या ग्राहकों से लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं, लेकिन अचानक कोई खर्च सामने आ सकता है। परिवार का सहयोग मिलेगा। प्रेम जीवन में मधुरता बनी रहेगी। विद्यार्थियों को रचनात्मक कामों में सफलता मिल सकती है।

मीन राशि- मीन राशि वालों के लिए आज का दिन सामान्य से बेहतर रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी। व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन बड़े सौदे में जल्दबाजी न करें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुखद माहौल बना रहेगा। प्रेम जीवन में साथी आपकी भावनाओं को समझेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने से फायदा होगा।

दांतों और मसूड़ों को बीमारियों से बचाएं

दांतों और मसूड़ों की अच्छी सेहत सिर्फ मुस्कान के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि इसका असर खाने, बोलने और ओवरऑल हेल्थ पर भी पड़ता है। सही तरीके से ब्रश न करना, फ्लॉसिंग न करना, ज्यादा मीठा खाना, धूम्रपान या तंबाकू का सेवन और दांतों की सफाई पर ध्यान न देना मुंह की सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इन आदतों की वजह से दांतों में कैविटी, दांतों में दर्द, मसूड़ों में सूजन और खून आने जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसके अलावा, मुंह की सेहत खराब होने पर सांसों में बदबू, दांतों में सड़न, मसूड़ों से जुड़ी बीमारी और समय से पहले दांत कमजोर होकर गिरने की समस्या भी हो सकती है। कई बार मुंह की कुछ परेशानियां शुरुआत में साफ नजर नहीं आतीं और बाद में गंभीर हो सकती हैं। इसलिए रोज की ओरल केयर पर ध्यान देना जरूरी है। आइए जानते हैं मसूड़ों को हेल्दी रखने के लिए रोज कौन-सी आदतें अपनानी चाहिए और किन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रोज अपनाएं ये आदतें

दांतों को दिन में दो बार ब्रश करें और हर बार करीब दो मिनट तक सफाई करें। दांतों के बीच फंसे खाने और प्लाक को हटाने के लिए रोज फ्लॉस करें। ब्रश करते समय दांतों के साथ मसूड़ों की भी हल्के हाथ से सफाई करें। ज्यादा मीठे खाने और मीठे ड्रिंक्स का सेवन कम रखें, क्योंकि ज्यादा चीनी दांतों में कैविटी का खतरा बढ़ा सकती है। पानी पीते रहें और तंबाकू या धूम्रपान से बचें।

दांतों की सफाई के लिए बहुत जोर से ब्रश न करें, क्योंकि इससे मसूड़ों को नुकसान हो सकता है। इसके अलावा साल में कम से कम एक बार डेंटिस्ट से चेकअप और जरूरत के अनुसार प्रोफेशनल क्लीनिंग करवाना भी जरूरी है।

दांतों और मसूड़ों से जुड़े इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

दांतों में लगातार दर्द, ठंडा-गर्म लगने पर तेज झनझनाहट, मसूड़ों से बार-बार खून आना या मसूड़ों में सूजन को नजरअंदाज न करें। दांतों में काले या भूरे निशान, कैविटी, दांतों का हिलना या चबाने में परेशानी भी ध्यान देने वाले लक्षण हैं। मुंह से लगातार बदबू आना या मसूड़ों में दर्द रहना भी ओरल हेल्थ से जुड़ी समस्या का संकेत हो सकता है। अगर मुंह में कोई घाव या बदलाव लंबे समय तक ठीक न हो, तो डेंटिस्ट से सलाह लें। कुछ ओरल बीमारियों में शुरुआत में दर्द या साफ लक्षण नहीं दिखते, इसलिए समय-समय पर डेंटल चेकअप जरूरी है।

अच्छी ओरल हेल्थ के लिए ये भी जरूरी

दांतों और मसूड़ों की सेहत के लिए सिर्फ ब्रश करना ही काफी नहीं है। डाइट में ज्यादा मीठी चीजों और ड्रिंक्स की मात्रा कम रखना जरूरी है। तंबाकू और धूम्रपान से दूरी बनाएं, क्योंकि इनसे मुंह की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। दिनभर पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है। बच्चों और बड़ों दोनों को अपनी ओरल हेल्थ पर ध्यान देना चाहिए। अगर पहले से दांत या मसूड़ों की कोई समस्या है, तो डेंटिस्ट की सलाह के अनुसार चेकअप कराएं। साल में कम से कम एक बार डेंटल चेकअप करवाना भी जरूरी है, ताकि ऐसी समस्याओं का समय रहते पता लगाया जा सके।

सेहत के लिए वरदान से कम नहीं भिंडी

हरी सब्जियों का जिक्र होते ही हमारी रसोई और थाली में सबसे पसंदीदा नाम जो दिमाग में आता है, वह है भिंडी। भारत के लगभग हर घर में पसंद की जाने वाली यह सब्जी न केवल अपने अनोखे स्वाद और झटपट बनने वाले अंदाज के लिए मशहूर है, बल्कि यह सेहत के लिहाज से भी एक बेहतरीन ऑप्शन है। चाहे कुरकुरी 'भरवा भिंडी' हो, प्याज के साथ बनी सादी 'भिंडी दो प्याजा', या फिर मूंगफली और मसालों के साथ भुनी हुई सूखी सब्जी—भिंडी हर रूप में लाजवाब लगती है। दाल-चावल के साथ सूखी मसालेदार भिंडी का कॉम्बिनेशन भारतीय खान-पान की शान माना जाता है। लेकिन शायद आपको मालूम नहीं है कि भिंडी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है। डॉक्टर के अनुसार, भिंडी पोषक तत्वों का खजाना है। इसमें विटामिन C, A, K, बी-कॉम्प्लेक्स, मैग्नीशियम, पोटेशियम, कैल्शियम और प्रचुर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। यदि आप भिंडी का नियमित रूप से सेवन करते हैं, तो यह कई गंभीर बीमारियों से बचा सकते हैं। आइए जानते हैं क्या है भिंडी के फायदे।

पाचन तंत्र के लिए

भिंडी में घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर प्रचुर मात्रा में होते हैं। डॉक्टर बताते हैं कि भिंडी में मौजूद 'म्यूसिलेज' पाचन नली को चिकना बनाता है और आंतों की सफाई करने में मदद करता है। इससे कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से तुरंत राहत मिलती है।

ब्लोटिंग और गैस

गलत पाचन के कारण पेट में गैस और भारीपन जैसी समस्याएं होने लगती हैं। भिंडी का फाइबर आंतों की गतिशीलता को बेहतर बनाता है, जिससे खाना आसानी से पचता है और गैस या पेट फूलने की समस्या कम होती है।

खराब गट माइक्रोबायोम

भिंडी एक बेहतरीन 'प्रीबायोटिक' की तरह काम करती है। यह आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को पोषण देती है। जब गट बैक्टीरिया का संतुलन बेहतर होता है, तो पाचन संबंधी कई समस्याएं अपने आप ठीक होने लगती हैं।

दिल की सेहत के लिए

भिंडी में 'पेक्टिन' नामक तत्व होता है, जो शरीर में जमे बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से धमनियों में ब्लॉकेज का खतरा कम होता है, जिससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और हृदय संबंधी बीमारियों से बचाव होता है।

खुद से ऊपर उठकर सेवा करना ही हैल्थकेयर

हैल्थकेयर का मतलब खुद से ऊपर उठकर सेवा करना है। आज अपोलो हॉस्पिटल्स ने 'ऑलवेज ओपन, ऑलवेज हेयर' की शुरुआत की। यह अपनी तरह का पहला अभियान है, जो रविवार सहित हफ्ते के सातों दिन रूटीन और योजनाबद्ध हैल्थकेयर सेवाएं उपलब्ध कराएगा। हालाँकि अपोलो की इमरजेंसी, क्रिटिकल केयर और इनपेशेंट सेवाएं हमेशा से 24/7 उपलब्ध रही हैं। लेकिन इस नई पहल के बाद आउटपेशेंट कंसल्टेशन, डायग्नोस्टिक, प्रिवेंटिव हैल्थ चेक, फॉलोअप कंसल्टेशन और पहले से निर्धारित प्रक्रियाएं भी रविवार सहित सातों दिन शुरू हो जाएंगी, जिससे मरीजों और परिवारों को बिना इंतजार किए तुरंत केयर प्राप्त हो सकेगी। ज्यादातर कामकाजी भारतीयों के लिए समय तुरंत हैल्थकेयर प्राप्त करने में आने वाली सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। काम का व्यस्त शेड्यूल, परिवार की जिम्मेदारियाँ और वीकडे के दायित्व अक्सर लोगों को कंसल्टेशन, टेस्ट और हैल्थ चेकअप को टालने के लिए मजबूर कर देते हैं। डॉ. प्रताप सी. रेड्डी, फाउंडर एवं चेयरमैन, अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने कहा, "चार दशकों से अधिक समय से अपोलो का विश्वास रहा है कि हैल्थकेयर का मतलब बीमारियों का इलाज करना नहीं, बल्कि बीमारियों की रोकथाम करना और स्वास्थ्य की रक्षा करना है। 'ऑलवेज ओपन। ऑलवेज हेयर' पहल हमारे इसी वादे को आगे बढ़ा रही है। हम इमरजेंसी और क्रिटिकल केयर के लिए हमेशा मौजूद रहते हैं। अब हम रूटीन और प्रिवेंटिव केयर भी हफ्ते के सातों दिन उपलब्ध करा रहे हैं। यह हर भारतीय की सेवा के लिए हमारी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा, "यह अभियान अपोलो में हर डॉक्टर, हर नर्स, हर तकनीशियन और हर हैल्थकेयर वर्कर और उनके परिवारों को समर्पित है। हैल्थकेयर का मतलब खुद से ऊपर उठकर सेवा करना है। उनकी प्रतिबद्धता ने हमें भारत में मरीजों और परिवारों के लिए यह कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। समय पर परामर्श द्वारा जब-जब बीमारी की तुरंत पहचान और रोकथाम होगी, तब-तब हम एक जीवन में परिवर्तन लेकर आएंगे। अगर हम लाखों लोगों को स्थिति गंभीर होने से पहले ही रोकथाम के लिए प्रेरित करेंगे, तो हमें भविष्य को बदलने में मदद मिलेगी।"

बारिश में चावल को ऐसे रखें सुरक्षित, नहीं लगेंगे कीड़े

बरसात का मौसम आते ही घर में नमी की समस्या बढ़ जाती है। इसका असर सिर्फ कपड़ों और दीवारों पर ही नहीं, बल्कि किचन में रखे राशन पर भी पड़ता है। चावल, आटा और दाल जैसी चीजों में नमी के कारण कीड़े लगने का खतरा बढ़ जाता है। खासकर चावल का डिब्बा बार-बार खुलने से उसमें हवा और नमी पहुंचती रहती है। थोड़ी सावधानी बरतकर इस परेशानी को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

चावल के डिब्बे में डालें तेज पत्ता

चावल को कीड़ों से बचाकर रखने के लिए तेज पत्ते का इस्तेमाल किया जा सकता है। सूखे तेज पत्ते की तेज खुशबू कई छोटे कीटों को दूर रखने में मदद करती है। इसके लिए चावल के डिब्बे में 3-4 सूखे तेज पत्ते डालकर ढक्कन अच्छी तरह बंद कर दें।

ध्यान रखें कि तेज पत्ता पूरी तरह सूखा हो और उसमें किसी तरह की नमी न हो। कुछ समय बाद जब इसकी खुशबू कम हो जाए, तो पुराने पत्तों को निकालकर नए पत्ते रख सकते हैं। हालांकि, यह घरेलू उपाय कीड़ों को पूरी तरह रोकने की गारंटी नहीं देता, इसलिए चावल को सही तरीके से स्टोर करना भी उतना ही जरूरी है।

चावल स्टोर करते समय इन बातों का रखें ध्यान

चावल को हमेशा सूखी और साफ जगह पर रखें। डिब्बा पूरी तरह एयरटाइट होना चाहिए, ताकि बाहर की नमी और छोटे कीड़े अंदर न पहुंच सकें। चावल निकालने के लिए हमेशा सूखा चम्मच इस्तेमाल करें और गीले हाथों से इसे न छुएं। अगर घर में पुराना और नया चावल दोनों हैं, तो उन्हें तुरंत एक साथ मिलाने से बचें। पहले पुराने चावल को अच्छी तरह जांच लें। डिब्बे में चावल भरने से पहले उसे साफ और पूरी तरह सूखा लेना भी जरूरी है।

कुछ लोग चावल के डिब्बे में सूखी लाल मिर्च या लहसुन भी रखते हैं। इनकी तेज गंध कीड़ों को दूर रखने में मदद कर सकती है। लेकिन सबसे जरूरी बात यही है कि चावल को नमी, गर्मी और गंदगी से दूर रखकर एयरटाइट डिब्बे में स्टोर किया जाए।

बारिश के बीच जोश-खरोश से मना पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का 67वां जन्मदिन, नवीन कांग्रेस भवन का हुआ लोकार्पण

पाटन। पाटन क्षेत्र के विधायक एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का 67वां जन्मदिन रविवार को पाटन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साह और जोश-खरोश के साथ मनाया। मौसम की मेहरबानी और लगातार हो रही बारिश के बावजूद कार्यकर्ताओं का उत्साह कम नहीं हुआ। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर पूर्व मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान पाटन में नवीन कांग्रेस भवन का लोकार्पण भी किया गया। पाटन पहुंचने पर स्वामी आत्मानंद चौक में पार्षद मनोज कुर्रे के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इसके बाद राजीव कांग्रेस भवन पहुंचकर नवीन कांग्रेस भवन का लोकार्पण किया गया। बारिश के बीच बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद रामलीला मैदान में जन्मदिन समारोह आयोजित किया गया। रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। मंच पर पहुंचने से पहले कार्यकर्ताओं ने फूलों की बारिश कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में भागवताचार्य पं. युवराज पाण्डेय ने जसगीत का गायन कर बघेल को जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान बघेल ने जन्मदिन के आयोजन के लिए कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं ने उनके जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए की मेहनत और उत्साह के साथ तैयारी की है। अपने संबोधन में भूपेश बघेल ने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान संचालित योजनाओं और उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पाटन की धरती स्वतंत्रता सेनानियों की धरती है। यहां के लोग अंग्रेजों से नहीं डरे तो आज की डबल इंजन सरकार से भी नहीं डरेंगे। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा कि आज किसान के युग की जगह अंधभक्ति का दौर दिखाई दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में बड़े उद्योगपतियों के हितों के अनुसार सरकार निर्णय ले रही है। बघेल ने ईडी की कार्रवाई को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि डराने और दबाव बनाने की कोशिशों के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता अन्याय के खिलाफ संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने युवाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राहुल गांधी के समर्थन में देशभर के युवा अन्याय के खिलाफडटे हुए हैं। धर्म के नाम पर राजनीति को लेकर भी उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर आरोप लगाए। उन्होंने लोगों से धर्म के नाम पर होने वाली कथित लूट और धोखाधड़ी से सावधान रहने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान पाटन क्षेत्र के समाज प्रमुखों एवं लोक कलाकारों का सम्मान भी किया गया। अंत में बघेल ने केक काटकर सभी कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधायक विकास उपाध्याय, हसिता बघेल, ओंकार साहू, संगीता सिन्हा, अमरीका नेताम, मुकेश चंद्राकर, नीरज पाल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर, आशीष वर्मा, मोनू साहू, अशोक साहू, कौशल चंद्राकर, भेद प्रकाश वर्मा, सालिक राम साहू, दर्शन सिंह, मनोज कुर्रे, आभाष दुबे, लक्ष्मी नारायण पटेल, सतीश देवांगन, रूपेश लहरी, सिद्धार्थ चंद्राकर, दीप सारस्वत, दीक्षित चंद्राकर, सुरेश वर्मा, भारत वर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तहसील साहू संघ पाटन की कार्यकारिणी में 140 सामाजिक बंधुओं को मिली जिम्मेदारी

06 सितंबर को होगा तहसील स्तरीय तीज मिलन समारोह

पाटन। तहसील साहू संघ पाटन की कार्यकारिणी की आवश्यक बैठक आहूत किया गया जिसमें तहसील स्तरीय कर्मा जयंती की व्यय की जानकारी दी गई साथ ही 06 सितंबर को तीज मिलन समारोह की तैयारी की भी चर्चा किया गया। तत्पश्चात कार्यकारणी की घोषणा प्रदेश साहू संघ के नियमों के अनुसार की गई। तहसील साहू संघ पाटन के अध्यक्ष लालेश्वर साहू ने अपनी कार्यकारिणी में कुल 140 सामाजिक बंधुओं को शामिल करते हुए विभिन्न पदों की जिम्मेदारी सौंपी है। घोषित कार्यकारिणी में युवा संयोजक डीजेंद साहू झीट, सह युवा संयोजक मधुकांत साहू गुजरा, महिला संयोजिका श्रीमती कोमीन साहू आगेसरा तथा न्याय प्रकोष्ठ संयोजक गंगादीन साहू असोगा को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं गुमान साहू असोगा कोषाध्यक्ष एवं कौही निवासी करन साहू को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को वरिष्ठ सामाजिकजनों एवं समाज के कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी समाज को संगठित करने, सामाजिक एकता को मजबूत करने तथा समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अध्यक्ष लालेश्वर साहू का जन्मदिन मनाया गया। कार्यकारिणी की घोषणा के पश्चात तहसील साहू संघ पाटन के अध्यक्ष लालेश्वर साहू का जन्मदिन सादगीपूर्ण ढंग से केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठजनों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने साहू को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारी एवं सामाजिकजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नंदलाल साहू, तहसील अध्यक्ष लालेश्वर साहू, कार्यकारणी अध्यक्ष दिनेश साहू, उपाध्यक्ष डूलेश्वर, महासचिव महेंद्र साहू, संगठन सचिव भुनेश्वरी साहू , अशोक साहू,गंगादीन, पूरन गरीबदास, रामनारायण, गायत्री।

युवा कांग्रेस चुनाव की तैयारियां तेज जशपुर में सदस्यता अभियान का आगाज

30 अगस्त से 29 सितंबर तक चलेगा अभियान

जशपुरनगर। युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव को लेकर जशपुर जिले में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। चुनावी प्रक्रिया को लेकर जिला कांग्रेस भवन में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सरगुजा संभाग के जीआरओ आरिफ नवाज ने उपस्थित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और संभावित प्रत्याशियों को चुनाव प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में संगठनात्मक चुनाव से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए सदस्यता अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया गया। 30 अगस्त से शुरू होगा सदस्यता अभियान- बैठक में जिले में युवा कांग्रेस के सदस्यता अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया। बताया गया कि सदस्यता अभियान 30 अगस्त से 29 सितंबर तक चलेगा। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को युवा कांग्रेस से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं को अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने और अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंच बनाने की जिम्मेदारी दी जाएगी। ऑनलाइन होगी पूरी सदस्यता प्रक्रिया- बैठक में स्पष्ट किया गया कि युवा कांग्रेस की सदस्यता प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। इच्छुक युवाओं को इंडियन यूथ कांग्रेस एलीकेशन के माध्यम से सदस्यता लेनी होगी। यह एलीकेशन गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। सदस्यता के लिए युवाओं को एलीकेशन के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया पूरी करनी होगी। संगठन की ओर से बताया गया कि इस बार सदस्यता अभियान को चुनाव प्रक्रिया से सीधे जोड़ा गया है। एलीकेशन के माध्यम से जुड़ने वाले सदस्य ही आगे होने वाले संगठनात्मक चुनाव में मतदान कर सकेंगे। इससे सदस्यता अभियान की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

पार्षद कार्यालय में लगा शिविर, 14 बच्चों का बना आधार कार्ड, वार्डवासियों ने उठाया लाभ

पार्षद जैनम बैद ने लोगों से उनकी समस्याओं को लेकर भी चर्चा की

राजनांदगांव। शहर के महावीर वार्ड-37 में तीन वर्ष या उससे कम आयु के बच्चों का आधार कार्ड बनाने के लिए को गंज चौक स्थित पार्षद कार्यालय में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में वार्डवासियों ने उत्साह के साथ पहुंचकर अपने बच्चों के आधार कार्ड बनवाए। शिविर में कुल 14 बच्चों के आधार कार्ड बनाए गए। भाजपा पार्षद जैनम बैद ने कहा कि छोटे बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के लिए अभिभावकों को अलग-अलग स्थानों पर जाने से होने वाली परेशानी को देखते हुए वार्ड में यह शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य वार्ड के अधिक से अधिक बच्चों को आधार पहचान से जोड़ना है, ताकि भविष्य में उन्हें शासकीय योजनाओं, विद्यालय में प्रवेश तथा अन्य आवश्यक कार्यों में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि वार्डवासियों की आवश्यकता के अनुसार इस तरह के उपयोगी शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे। जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए वार्ड में लोगों को आवश्यक सेवाएं उनके आसपास ही उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। जैनम बैद ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

वार्डवासियों ने अन्य विषयों पर भी की चर्चा

शिविर के दौरान बड़ी संख्या में वार्डवासी पार्षद जैनम बैद से भेंट करने पहुंचे। जहां उन्होंने सभी से मुलाकात की और वार्ड के दूसरे विषयों पर चर्चा की। श्री बैद ने बताया कि वार्ड के लोगों को हर सरकारी योजना का लाभ मिले, इसके लिए लगातार प्रयास किया जाता है। इसके अलावा मूलभूत सुविधाओं का भी बेहतर लाभ मिले, इस पर कार्य किया जा रहा है। वार्डवासियों से बेहतर संवाद से ही यह संभव हो पा रहा है। वार्ड में कई विकास कार्य भी हुए हैं, वहीं कई कार्य अभी होने हैं जो योजनाओं के तहत होने हैं।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान, सख्ती के साथ जागरूकता जरूरी : एनसीबी

युवाओं को नशे से बचाने में मीडिया अपनी पहुंच का प्रभावी उपयोग करें

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ में नशे की समस्या से निपटने के लिए नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ जनजागरूकता को भी समान महत्व देना जरूरी है। खासकर युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और मीडिया की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। यह बात नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधीक्षक अनिल कुमार ने कही। वे पत्र सूचना कार्यालय रायपुर की ओर से नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान के तहत राजनांदगांव में आयोजित वार्तालाप कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल तस्करी के खिलाफ कार्रवाई तक सीमित नहीं हो सकती। नशीले पदार्थों की अवैध आपूर्ति पर नियंत्रण के साथ उनकी मांग को कम करना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की नशीले पदार्थों पर नियंत्रण की रणनीति में आपूर्ति नियंत्रण और मांग में कमी दोनों पहलुओं पर काम किया जाता है। इसके लिए विभिन्न केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच समन्वय के साथ प्रवर्तन तथा जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने में मीडिया की भूमिका निर्णायक हो सकती है। समाचार पत्र, टेलीविजन, डिजिटल माध्यम और सामाजिक मीडिया की व्यापक पहुंच का इस्तेमाल नशे के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को तथ्यपरक और सरल भाषा में लोगों तक पहुंचाने के लिए किया जाना चाहिए। पत्रकार श्रीमती प्रियंका कौशल ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई को प्रभावी जनआंदोलन बनाने के लिए पत्रकारिता को सामाजिक सरोकार और जनजागरण से जोड़ना होगा। पत्रकार अपनी कलम और जनसंचार की ताकत के माध्यम से युवाओं तथा समाज को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में सबेरा संकेत के संपादक सुशील कोठारी और दैनिक दावा के संपादक दीपक बुद्धदेव ने भी अपने विचार रखे। दिग्विजय महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शंकर मुनि राय ने पत्रकारिता के सामाजिक दायित्व पर प्रकाश डालते हुए अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार और सामाजिक विसंगतियों के खिलाफ निर्भीकता से पत्रकारिता करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल निदेशक रवि जोशी, नांदगांव टाइम्स के संपादक अशोक कुमार पांडे तथा वरिष्ठ पत्रकार पुरुषोत्तम तिवारी मंच पर उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि नशे के खिलाफ प्रभावी लड़ाई के लिए सरकारी प्रयासों के साथ मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और परिवारों की साझी भागीदारी जरूरी है।

तहसील साहू संघ पाटन की कार्यकारिणी घोषित, कोमिन साहू सहित गंगादीन, डीजेंद्र गुमान और करन साहू को मिली बड़ी जिम्मेदारी

पाटन। दुर्ग जिला अंतर्गत तहसील साहू संघ पाटन की कार्यकारिणी की आज घोषणा की गई। तहसील साहू संघ पाटन के अध्यक्ष लालेश्वर साहू ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए 140 सामाजिक कार्यकर्ताओं को विभिन्न पदों की जिम्मेदारी सौंपी है। कार्यकारिणी में प्रमुख सलाहकार सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के संयोजक एवं पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। घोषित कार्यकारिणी में युवा संयोजक के रूप में इकाई साहू समाज झीट से डीजेंद्र साहू को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं न्याय प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी ग्राम असोगा, पाटन निवासी गंगादिन साहू को दी गई है। महिला संयोजक के रूप में स्थानीय साहू समाज आगेसरा की श्रीमती कोमिन साहू को मनोनीत किया गया है। इसी प्रकार कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी स्थानीय साहू समाज असोगा के गुमान साहू को सौंपी गई है। वहीं मीडिया प्रभारी के रूप में स्थानीय साहू समाज कौही से करन साहू को मनोनीत किया गया है। तहसील साहू संघ पाटन की नवगठित कार्यकारिणी के सभी मनोनीत पदाधिकारियों को तहसील साहू संघ पाटन अध्यक्ष लालेश्वर साहू, कार्यकारणी अध्यक्ष दिनेश साहू,उपाध्यक्ष डूलेश्वर साहू, श्रीमती विमला साहू, संगठन सचिव सुरेंद्र साहू, श्रीमती भूनेश्वरी साहू, महासचिव महेंद्र साहू सहित समाज के वरिष्ठजनों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों के सफल कार्यकाल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा व्यक्त की।

बन खाबो-बने रहिबो अभियान के तहत त्योहार के पहले प्रतिष्ठानों में दबिश

जैन स्वीट्स, सिमरन ट्रेडर्स, शिवम खजानी और योगेश दोसा में जांच, तेल, कालाजामुन, चॉकलेट की सैंपलिंग

बिना लेबलिंग और भ्रामक प्रचार पर भी होगी कार्रवाई, सात दिनों तक चला अभियान

राजनांदगांव। त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की जांच तेज कर दी गई है। बने खाबो-बने रहिबो 2.0 के तहत सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन-जागरूकता अभियान अंतर्गत जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं नमूना संकलन की कार्रवाई निरंतर जारी है। शहर में जैन स्वीट्स हलवाई लाइन तथा सिमरन ट्रेडर्स का निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में शिवम खजानी गोलबाजार राजनांदगांव से सोनपापड़ी, बर्फी एवं पेड़ा के नमूने जांच हेतु संकलित किए गए। राधेश्याम पीपरमेंट नंदई चौक से कालाजामुन का नमूना लिया गया। वहीं कान्हा डेयरी से दूध तथा अग्रवाल टी कंपनी से चॉकलेट का नमूना जांच हेतु संकलित किया गया। डोंगरगांव क्षेत्र में बीकानेर स्वीट्स डोंगरगांव का निरीक्षण कर सोनपपड़ी, चमचम एवं कलाकंद के नमूने संकलित किए गए। इसी प्रकार न्यू योगेश डोसा डोंगरगांव का निरीक्षण कर प्रतिष्ठान में तलने के लिए उपयोग किए जा रहे खाद्य तेल के साथ-साथ कुंदा, खोवा एवं चमचम के नमूने भी जांच के लिए संकलित किए गए। इसके अतिरिक्त ए-वन ढाबा पैरी-डोंगरगांव रोड का निरीक्षण कर उपयोग किए जा रहे पनीर का नमूना संकलित किया गया। अभियान के दौरान सबरस रेस्टोरेंट एवं नीलम की रसोई बसंतपुर का भी निरीक्षण किया गया तथा खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं का परीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन-जागरूकता अभियान के दौरान विशेष रूप से मावा व खोवा, पनीर, दूध, घी, क्रीम, मक्खन, चॉकलेट, मिठाइयों एवं खाद्य तेल अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

खाद्य प्रतिष्ठानों में प्रयुक्त कच्ची सामग्री के स्रोत, उसकी गुणवत्ता तथा उपलब्ध अभिलेखों की भी जांच की जा रही है।

प्रयोगशाला जांच के बाद होगी नियमानुसार कार्रवाई

अभियान के दौरान संकलित खाद्य नमूनों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परीक्षण हेतु अधिकृत खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला से प्राप्त विश्लेषण रिपोर्ट एवं निरीक्षण के दौरान उपलब्ध तथ्यों के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों व विनियमों और लागू प्रावधानों के तहत आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अभियान का उद्देश्य केवल नमूना संकलन तक सीमित नहीं है। बल्कि मिलावटी, अमानक, मिथ्याछाप, भ्रामक रूप से प्रस्तुत अथवा असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बि ी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा उपभोक्ताओं की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है।

लिनेश डॉ शालू पाहवा द्वारा प्रतिभावान बालिकाओं का किया गया सम्मान

सक्ती। आल इंडिया लीनेस क्लब्स डिस्ट्रिक्ट सी जी -1 स्वर्णिम में डिस्ट्रिक्ट कोर्डिनेटर लीनेस डॉ शालू पाहवा ने अपने डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट शिक्षा (बालिका शिक्षा) के तहत सेजस कसेर पारा स्कूल में प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी मां सरस्वती की आराधना करते हुए इस वर्ष के होनहार बालिकाओं का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया एवं सभी को कापी पेन वितरण कर बधाई दी जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया अच्छे से पढ़ाई कर अपने स्कूल, माता-पिता एवं देश का नाम रोशन करने की सीख दी लीनेस डॉ शालू पाहवा जी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों का हौसला बढ़ता है। और अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित होते है इस अवसर पर अध्यक्ष शहनाज बानो एवं सचिव लीनेस निकहत करीम मलिक कोषाध्यक्ष लीनेस प्रिया दुबे, निधि सिंह, विजया जायसवाल, लीनेस प्रभा जायसवाल के साथ जूनियर क्लब के मेंबर एवं स्कूल स्टाफ उपस्थित रहे एवं सभी का सहयोग सराहनीय रहा ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com